



इंफाल/चुराचांदपुर, एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी शनिवार को मणिपुर दौर पर हैं। राज्य में मई, 2023 में हिंसा भड़कने के बाद यह उनका पहला दौरा है। प्रधानमंत्री मणिपुर दौरे पर पहले चुराचांदपुर गए। यह कुकी बहुत इलाका है और हिंसा के दौरान सबसे ज्यादा प्रभावित इलाकों में से एक था। पीएम ने चुराचांदपुर में 7,300 करोड़ रुपए से ज्यादा की लागत वाली कई विकास परियोजनाओं की नींव रखी। पीएम ने जनसभा को संबोधित करते हुए कहा- मणिपुर की यह धरती हैसल्लो और हिम्मत की धरती है।

मणिपुर के लोगों के जज्बे को सैल्यूट करता हूं। पीएम ने कहा- मैं जीवन में इस क्षण को नहीं भूल सकता। मणिपुर के नाम में ही मणि है, ये वो मणि है दो आने वाले समय में पूरे नॉर्थ ईस्ट की चमक बढ़ाने वाली है। सरकार का पूरा प्रयास रहा है कि राज्य को विकास के काम में लगातार आगे ले जाए। पीएम मोदी चुराचांदपुर के बाद इंफाल जाएंगे। इंफाल में मैतेई समुदाय के लोग रहते हैं। 2023 में हिंसा के बाद, कुकी लोगों का इंफाल और मैतेई लोगों का चुराचांदपुर में आना-जाना बंद है।



पीएम मोदी 1988 में राजीव गांधी के बाद चुराचांदपुर जाने वाले पहले प्रधानमंत्री हैं। प्रधानमंत्री ने कहा- शांति का रास्ता अपनाए, मैं आपके साथ हूं, भारत सरकार आपके साथ है। मणिपुर के लोगों के साथ है।

के सभी संगठनों से अपील है कि शांति का रास्ता अपनाए, अपने बच्चों का भविष्य सुनिश्चित करें। मैं वादा करता हूं, मैं आपके साथ हूं, भारत सरकार आपके साथ है। मणिपुर के लोगों के साथ है।

मणिपुर में प्रधानमंत्री मोदी का दौरा महज दिखावा : खरगे

नई दिल्ली। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 13 से 15 सितंबर तक मिजोरम, मणिपुर, असम और अन्य राज्यों के दौरे पर सवाल उठाते हुए कहा कि मणिपुर में उनका तीन घंटे का ठहराव चिंता का प्रतीक नहीं, बल्कि एक दिखावा मात्र है। खरगे ने एक्स पोस्ट में कहा कि आज इम्फाल और चुराचांदपुर में प्रधानमंत्री का रोड शो राहत शिविरों में पीड़ितों से मिलने से बचने का प्रयास है। उन्होंने मणिपुर हिंसा पर कहा कि 864 दिनों से चली आ रही इस हिंसा में लगभग 300 लोगों की जानें गई हैं, 67 हजार लोग विस्थापित हुए हैं और 1,500 से अधिक घायल हुए हैं। हिंसा के बाद से प्रधानमंत्री ने 46 विदेश यात्राएं की हैं, लेकिन अपने ही नागरिकों से सहानुभूति जताने के लिए मणिपुर की एक भी यात्रा नहीं की। उन्होंने कहा कि मणिपुर की प्रधानमंत्री की आखिरी यात्रा जनवरी 2022 में हुई थी, जो चुनावी रैलियों के लिए थी। खरगे ने कहा कि राज्य में कानून-व्यवस्था बनाए रखने की जिम्मेदारी सरकार की थी और अब केन्द्र सरकार फिर से टालमटोल कर रही है।



प्रियंका बोली- पीएम को मणिपुर जाने के बारे में बहुत पहले सोचना चाहिए था

कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी वाड्वा ने केरल के वायनाड में मीडिया से बात की। प्रियंका ने प्रधानमंत्री मोदी के मणिपुर दौरे पर कहा- मुझे खुशी है कि उन्हें 2 साल बाद महसूस हुआ कि वहां जाना चाहिए। उन्हें बहुत पहले ही मणिपुर जाना चाहिए था। वायनाड सांसद ने कहा- यह बहुत दुर्भाग्यपूर्ण है कि वहां जो कुछ भी हो रहा था, उन्होंने उसे इतने लंबे समय तक होने दिया। उन्हें इतने सारे लोगों को मरने दिया। लोगों को इतनी मुश्किलों से गुजरने दिया। भारत में प्रधानमंत्रियों की यह परंपरा नहीं रही है।



भागवत बोले- डर के चलते भारत पर टैरिफ लगाया गया



नागपुर, एजेंसी। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) प्रमुख मोहन भागवत ने शुक्रवार को कहा कि लोगों (अमेरिका) को डर है कि अगर भारत मजबूत हुआ तो उनका क्या होगा, इसलिए टैरिफ लगाए जा रहे हैं।

भागवत ने किसी देश का नाम लिए बिना कहा कि ऐसे कदम वो लोग उठाते हैं, जो खुद को हमेशा चर्चा में देखना चाहते हैं। भागवत ने ये बातें नागपुर में ब्रह्माकुमारी विश्व शांति सरोवर के 7वें स्थापना दिवस पर कहीं।

बिहार की जनता इसका मुंहतोड़ जवाब देगी, कांग्रेस के एआई वीडियो पर बोले जेपी नड्डा



पटना, एजेंसी। बिहार में हाल के दिनों में कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने वोट अधिकार यात्रा निकाली। इस यात्रा के दौरान कांग्रेस इंडो-अरजेडी (राष्ट्रीय जनता दल) मंच से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की मां को अपशब्द कहे गए, जिस पर भाजपा ने कड़ी प्रतिक्रिया दी थी। इस विवाद के बीच कांग्रेस ने सोशल मीडिया पर एक एआई जेनरेटेड वीडियो शेयर किया है, जिसमें प्रधानमंत्री मोदी और उनकी दिवंगत मां के बीच एक काल्पनिक संवाद दिखाया गया है। कांग्रेस की ओर से शेयर किए गए इस वीडियो पर भाजपा ने कड़ा हमला बोला है। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के राष्ट्रीय अध्यक्ष और केंद्रीय मंत्री जेपी नड्डा ने पटना में एक दैनिक अखबार के कार्यक्रम में कहा कि कांग्रेस के मंच से पहले प्रधानमंत्री मोदी की मां को अपशब्द कहे गए और कल कांग्रेस का जो वीडियो आया है वो इस बात का प्रमाण है कि उनकी सोच कैतनी गंदी है।

राज्य ने मांगे थे 20,000 करोड़, नेता बोले- ऊंट के मुंह में जीरा



अमृतसर, एजेंसी। पंजाब में आई भयंकर बाढ़ के बीच प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 9 सितंबर को प्रभावित इलाकों का हवाई सर्वेक्षण किया। उन्होंने गुरदासपुर में अधिकारियों, किसानों और एनडीआरएफ कर्मियों के साथ बैठक की। इसके बाद उन्होंने राज्य के लिए 1,600 करोड़ रुपए का राहत पैकेज घोषित किया। इसके साथ ही 12 हजार करोड़ डिजास्टर मैनेजमेंट फंड का जिक्र कर राज्य में नई बहस छेड़ दी है।

पंजाब में किसानों को सबसे अधिक मुआवजा

सीएम भगवंत मान बोले- किसानों को अकेला नहीं छोड़ेंगे, मृतकों के परिजनों को देंगे 4 लाख

पंजाब में बाढ़ से किसानों की फसलों को काफी नुकसान पहुंचा है। लेकिन इस मुश्किल समय में आम आदमी पार्टी आप की सरकार ने किसानों को अकेला नहीं छोड़ा। मुख्यमंत्री भगवंत मान ने तुरंत बड़ा फैसला लेते हुए घोषणा की कि हर प्रभावित किसान को 20 हजार प्रति एकड़ मुआवजा दिया जाएगा। यह सिर्फ पंजाब ही नहीं बल्कि पूरे देश में अब तक का सबसे बड़ा मुआवजा है। सरकार ने यह कदम सिर्फ कागजों पर नहीं बल्कि किसानों को तुरंत राहत देने के लिए है। हरियाणा में किसानों को फसलों का नुकसान अधिकतम 15 हजार प्रति एकड़, गुजरात में करीब 8 हजार 900 प्रति एकड़, मध्य प्रदेश में करीब 12 हजार 950 प्रति एकड़, उत्तर प्रदेश और राजस्थान में अधिकतर 5 हजार-7 हजार प्रति एकड़ तक राहत मिलती है।



एडीआर फाउंडर प्रो छोकर का निधन

इलेक्टोरल बॉन्ड हटवाने जैसे 6 बड़े सुधार करवाए; रिटायरमेंट से पहले लॉ की पढ़ाई की ताकि याचिकाएं समझ सकें

नई दिल्ली, एजेंसी। चुनाव सुधारों के लिए काम करने वाले संगठन एसोसिएशन फॉर डेमोक्रेटिक रिफॉर्म (ADR) के को-फाउंडर और चुनाव सुधारों के प्रबल समर्थक प्रो. जगदीप एस छोकर का शुक्रवार सुबह दिल्ली में हार्ट अटैक से निधन हो गया। वे 81 साल के थे। प्रो. छोकर की इच्छा के अनुसार उनका शरीर रिसर्च के लिए लेडी हार्डिंग मेडिकल कॉलेज को डोनेट किया गया है।

नई दिल्ली, एजेंसी। हिमाचल प्रदेश के बिलासपुर के नम्होल में शुक्रवार देर रात बाढ़ल फटा। इससे 10 से ज्यादा गाड़ियां मलबे में दब गईं। सड़कें भी बह गईं, कई घरों को भी नुकसान पहुंचा। वहीं, मंडी जिले के धर्मपुर में सपड़ी रोह गांव में शनिवार सुबह 4 बजे लैंडस्लाइड हुई। कई घर मलबे से घिर गए हैं। 8 घर खाली करिए गए हैं। राज्य में बारिश-बाढ़ से मरने वालों का आंकड़ा 386 पहुंच गया है। राज्य में इस सीजन में सामान्य से 43% ज्यादा बारिश हो चुकी है। एक जून से 12 सितंबर के बीच 678.4mm

साथ परोसे जाने का दावा; पोस्टर वायरल होते ही बवाल, कांग्रेस बोली- आयोजन होने नहीं देंगे

नई दिल्ली, एजेंसी। हिमाचल प्रदेश के बिलासपुर के नम्होल में शुक्रवार देर रात बाढ़ल फटा। इससे 10 से ज्यादा गाड़ियां मलबे में दब गईं। सड़कें भी बह गईं, कई घरों को भी नुकसान पहुंचा। वहीं, मंडी जिले के धर्मपुर में सपड़ी रोह गांव में शनिवार सुबह 4 बजे लैंडस्लाइड हुई। कई घर मलबे से घिर गए हैं। राज्य में बारिश-बाढ़ से मरने वालों का आंकड़ा 386 पहुंच गया है। राज्य में इस सीजन में सामान्य से 43% ज्यादा बारिश हो चुकी है। एक जून से 12 सितंबर के बीच 678.4mm

रायपुर में 'न्यूड पार्टी'...लड़के-लड़कियों को बिना कपड़े बुलाया

ड्रस परोसे जाने का दावा; पोस्टर वायरल होते ही बवाल, कांग्रेस बोली- आयोजन होने नहीं देंगे

रायपुर, एजेंसी। रायपुर में ड्रस सिंडिकेट मामले के बाद अब न्यूड पार्टी को लेकर विवाद हो रहा है। दरअसल सोशल मीडिया में न्यूड पार्टी के आयोजन का अलग-अलग नामों से पोस्टर वायरल हो रहा है, जिसमें लड़के-लड़कियों को बिना कपड़े शामिल होने को कहा गया है, अब इसे लेकर बवाल मच गया है। वायरल पोस्टर में इस पार्टी को

अलग-अलग नाम दिया गया है और दावा किया जा रहा है कि आयोजन में पूल पार्टी होगी, ड्रस परोसे जाएंगे। कांग्रेस नेता ने इसका खुलकर विरोध किया है। कन्हैया अग्रवाल ने साफ कहा है कि इस तरह का आयोजन वे रायपुर में नहीं होने देंगे। वे इसका खुलकर विरोध करेंगे। अलग-अलग नामों से पार्टी का आयोजन- इन्स्टाग्राम और



अन्य प्लेटफॉर्म पर बीते कुछ दिनों से कथित न्यूड पार्टी, स्ट्रेजर पार्टी, हाउस पूल पार्टी जैसे आयोजनों के इन्विटेशन वायरल हो रहे हैं। बताया जा रहा है कि इन पोस्टर के जरिए युवाओं को पार्टी के नाम पर आकर्षित किया जा रहा है। इन विज्ञापननुमा पोस्टर में पार्टी का समय और तिथि भी दर्ज है, जिसमें 21 सितंबर को रायपुर में आयोजन होने का दावा किया गया है। वायरल पोस्टर में शराब

और ड्रस परोसे जाने के संकेत मिलने के बाद अब नग्नता के आकर्षण का लालच दिए जाने की बात सामने आ रही है। कांग्रेस ने किया विरोध, कहा- आयोजन होने नहीं देंगे : कांग्रेस नेता कन्हैया अग्रवाल ने इन आयोजनों का खुलकर विरोध किया है। उन्होंने सोशल मीडिया में पोस्ट कर लिखा - इन आयोजनों को किसका संरक्षण है... शराब, ड्रस परोसने के बाद अब नग्नता परोसने की बारी...21 सितंबर का

ये आयोजन रायपुर में नहीं होने देंगे। अपने शहर को दागदार नहीं होने देंगे। अग्रवाल ने आगे कहा कि वह आज वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक (SSP) रायपुर से मुलाकात करेंगे और इस पूरे मामले पर सख्त कार्रवाई की मांग करेंगे। उनका कहना है कि सोशल मीडिया पर इस तरह के विज्ञापन के पीछे कौन लोग हैं और कौन उनका संरक्षण कर रहा है, इसकी जांच की जानी चाहिए।

नेशनल लोक अदालत में हुआ 1670 प्रकरणों का निराकरण

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण नई दिल्ली एवं मध्यप्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण जबलपुर के निर्देशानुसार 13 सितंबर 2025 को जिला न्यायालय सीधी एवं सिविल न्यायालय चुरहट, रामपुर नैकिन तथा मझौली में नेशनल लोक अदालत का आयोजन किया गया। नेशनल लोक अदालत का शुभारंभ प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश तथा अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण प्रयाग लाल दिनकर, विशेष न्यायाधीश/प्रभारी अधिकारी नेशनल लोक अदालत यतीन्द्र कुमार गुरू, अधिवक्ता संघ के अध्यक्ष बृजेन्द्र सिंह एवं अन्य न्यायाधीशगण, अधिवक्तागण, लीगल एड डिफेंस काउंसिल द्वारा जिला न्यायालय परिसर में दीप प्रज्वलन कर किया गया। प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश प्रयाग लाल दिनकर ने अधिवक्तागण से प्रकरणों का जल्दी निराकरण करने की अपील की एवं अधिभाषकगण से सहयोग की अपेक्षा की एवं अधिक से अधिक प्रकरणों के निराकरण के लिए प्रेरित किया। अधिवक्ता संघ के अध्यक्ष बृजेन्द्र सिंह ने कहा कि न्याय के सिद्धांत हैं न्याय सरल एवं



सहज हो इसके लिए नेशनल लोक अदालत का गठन किया गया है। सिंह ने कहा कि नेशनल लोक अदालत को सफल बनाने का निरंतर प्रयास रहना चाहिए। सिंह ने अधिभाषकगण को अंतिम समय तक लोक अदालत के माध्यम से प्रकरणों का निराकरण करने हेतु बल दिया। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के सचिव मुकेश कुमार शिवहरे ने न्यायाधीशगण एवं अधिवक्तागण से प्रकरणों का निराकरण मध्यस्थता के माध्यम से करने की अपील की एवं अधिभाषकगण से सहयोग की अपेक्षा की। जिला विधिक सहायता अधिकारी मनीष कौशिक ने कार्यक्रम में

काउंसिल सत्यप्रकाश पाण्डेय, देवेन्द्र प्रसाद द्विवेदी तथा सचिव जिला अधिवक्ता संघ रवीन्द्र गौतम, अधिवक्तागण राजेन्द्र सिंह परिहार, उदयकमल मिश्रा सहित अन्य अधिवक्तागण तथा विद्युत विभाग, बैंक एवं नगरीय निकाय के प्रशासनिक अधिकारीगण, प्रिंट एवं इलेक्ट्रॉनिक मीडिया के सदस्य एवं जिला न्यायालय तथा जिला विधिक सेवा प्राधिकरण एवं जिला न्यायालय के प्रशासनिक अधिकारीगण एवं कर्मचारीगण उपस्थित रहे।

जिला विधिक सहायता अधिकारी मनीष कौशिक ने जानकारी देते हुए बताया कि नेशनल लोक अदालत में प्रकरणों के निराकरण हेतु जिला मुख्यालय सीधी में 13 खंडपीठें, व्यवहार न्यायालय चुरहट में 03, मझौली में 02 व रामपुर नैकिन में 02 खंडपीठे गठित की जाकर कुल 20 न्यायिक खंडपीठें गठित की गई थी। नेशनल लोक अदालत में समझौता योग्य आपराधिक, सिविल, विद्युत अधिनियम, श्रम, मोटर दुर्घटना दावा, निगोशियेबल इस्ट्रुमेन्ट एक्ट के अन्तर्गत चेक बाउंस प्रकरण, कुटुम्ब न्यायालय तथा, नगर पालिका के जलकर से संबंधित प्रकरणों के सहित विद्युत



मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। जिले में खाद की समस्या से किसान लगातार जुझ रहे हैं, इसके बावजूद शासन-प्रशासन का रवैया किसानों के प्रति असंवेदनशील बना हुआ है। किसान खाद के लिए महीनों से लाइन में हैं, लेकिन अभी तक उन्हें खाद नहीं मिल पाई। इसके बजाय, उन्हें लाठी का सामना करना पड़ रहा है। रीवा जिले के सिरमौर विधानसभा क्षेत्र अंतर्गत किसान समृद्धि केंद्र जवा (ममेड़ी) में प्रतिदिन हजारों किसानों और महिलाओं को भीड़ देखने को मिल रही है, लेकिन शासन-प्रशासन द्वारा किसानों को पर्याप्त खाद उपलब्ध नहीं कराई जा रही है। इस स्थिति के कारण किसान प्राइवेट दुकानों से दोगुने दामों में नकली खाद खरीदने के लिए मजबूर हैं। 10 सितंबर 2025 को किसान प्रभु दयाल आदिवासी (55 वर्ष) निवासी इटौरी के साथ पुलिस द्वारा मारपीट करने का वीडियो वायरल हुआ है। इस वीडियो में पुलिस ने किसान को नशे की

हालत में गाली-गलौज का आरोप लगाया है, जबकि वहां मौजूद लोगों का कहना है कि इस मारपीट का कारण चौकीदार पुष्पराज पटेल है, जो किसान समृद्धि केंद्र जवा ममेड़ी का सर्वेसर्वा है। सूत्रों के अनुसार, पुष्पराज पटेल अपने जान-पहचान के लोगों को ज्यादा पैसे लेकर खाद की कालाबाजारी करता है। जब वह चाहेगा तभी किसानों को खाद मिलेगी, अन्यथा उन्हें चक्कर लगाते रहना होगा।

किसान की पत्नी वैजयंती देवी को 5 बोरी का टोकन मिला था, लेकिन जब वह चौकीदार के पास पहुंची, तो उसे केवल 2 बोरी दी गई। आरोप लगाया गया है कि कई वर्षों से चौकीदार पुष्पराज पटेल द्वारा खाद की कालाबाजारी की जा रही है, फिर भी विपणन विभाग द्वारा उसे हटया नहीं जा रहा है। यह सवाल उठता है कि क्या इस पूरी कालाबाजारी में उच्च अधिकारियों का भी हाथ है।

आदिवासी किसान पर पुलिस बर्बरता, समाजवादी पार्टी ने की जांच प्रतिनिधिमंडल गठित

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। मध्यप्रदेश के रीवा जिले के जवा विकासखंड अंतर्गत किसान समृद्धि केंद्र में यूरिया खाद वितरण के दौरान प्रशासनिक अव्यवस्था और पुलिस की बर्बरता का चौंकाने वाला मामला सामने आया है। सुबह से लंबी लाइन में खड़े आदिवासी किसान प्रभु दयाल ने टोकन के आधार पर पांच बोरी यूरिया की मांग की, जबकि प्रशासन केवल दो बोरी दे रहा था। मांग पूरी न होने पर किसान ने विरोध दर्ज कराया। मौके पर मौजूद पुलिस ने किसान को बेरहमी से पीटा और थाने तक घसीटकर ले गई। इस दौरान किसान को गंभीर चोटें आईं। घटना के समय मौके पर एसडीएम, तहसीलदार सहित प्रशासनिक अधिकारी मौजूद थे, लेकिन किसी ने पुलिस की कार्रवाई को रोकने की कोशिश नहीं की। समाजवादी पार्टी इस घटना की कड़े शब्दों में निंदा करती है। राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव के निर्देश पर प्रदेश अध्यक्ष डॉ. मनोज यादव ने 20 सदस्यीय जांच प्रतिनिधिमंडल का गठन किया है। इस प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय सचिव और किसान नेता शिव सिंह पटेल करेंगे। प्रतिनिधिमंडल में रीवा एवं मऊगंज जिले के अध्यक्ष, प्रदेश पदाधिकारी, युवजन सभा के पदाधिकारी, और ब्लॉक अध्यक्ष शामिल रहेंगे। यह प्रतिनिधिमंडल 14 सितम्बर 2025 को पीड़ित किसान एवं ग्रामीणों से मुलाकात कर विस्तृत रिपोर्ट प्रदेश कार्यालय को सौंपेगा। समाजवादी पार्टी किसानों और आदिवासियों के सम्मान व अधिकार की रक्षा के लिए प्रतिबद्ध है। औपी पुलिसकर्मियों और अधिकारियों पर तुरंत कार्रवाई की जानी चाहिए।

अतरौला थाना क्षेत्र के जोन्हा टमस नदी घाट में खुलेआम अवैध बालू का हो रहा उत्खनन



मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। जिले के अतरौला थाना क्षेत्र अंतर्गत जोन्हा घाट में इस समय अवैध बालू का उत्खनन जारी है, लेकिन अतरौला थाना प्रभारी और खनिज अधिकारी इस मामले में मौन हैं। स्थानीय सूत्रों के अनुसार, अतरौला थाना प्रभारी की सरपरस्ती में थाना क्षेत्र में अवैध नशे का कारोबार और जोन्हा टमस नदी घाट में खुलेआम अवैध बालू का उत्खनन और परिवहन किया जा रहा है। इस स्थिति के कारण कभी नशे के खिलाफ उन्नी घाट में अवैध बालू उत्खनन की समस्या ने स्थानीय निवासियों के लिए चिंता का विषय बना दिया है, और अब देखना होगा कि प्रशासन इस मामले में क्या कदम उठाता है।

महिला डॉक्टर के कपड़े फाड़े, बाल खींचे, जमकर पीटा; मेडिकल कॉलेज में साथी डॉक्टरों ने की मारपीट, जान से मारने की दी धमकी

मीडिया ऑडीटर, शहडोल (निप्र)। बिरसा मुंडा मेडिकल कॉलेज के लेबर रूम में महिला डॉक्टर पर दो साथी इंटरन महिला डॉक्टरों ने हमला कर दिया। उन्होंने डॉक्टर के कपड़े फाड़े और बाल पकड़कर खींचे। इसके बाद जमकर पीटा। जान से मारने की धमकी भी दी। घटना गुरुवार रात करीब 9.30 बजे की है। पूरा घटनाक्रम लेबर रूम के सीसीटीवी कैमरा में रिकॉर्ड हो गया। वहां मौजूद स्टाफ ने भी वीडियो बनाए। शनिवार को इसका वीडियो सामने आया। पीड़िता डॉक्टर शिवानी लाखिया ने आरोपी इंटरन डॉक्टर शानू अग्रवाल और योगिता त्यागी के खिलाफ लिखित में शिकायत दर्ज कराई है। पीड़िता और मेडिकल स्टाफ ने आरोपी डॉक्टरों के निलंबन और आपराधिक कार्रवाई की मांग की है। बता दें कि आरोपी डॉक्टर इससे पहले भी नफीस बस विवाद और महादेव प्रकरण जैसी घटनाओं को लेकर सुर्खियों में रह चुकी है। **पीड़िता बोली-** बाल खींचकर नीचे गिराया, कपड़े फाड़े: पीड़िता डॉक्टर ने शिकायत में बताया कि गुरुवार को मैं नियमित ड्यूटी पर



लेबर रूम में मौजूद थी। रात करीब 9.30 बजे अचानक शानू अग्रवाल और योगिता त्यागी ने मेरे साथ अत्यंत आपत्तिजनक, अभद्र व्यवहार किया। साथ ही मारने की धमकी व हॉस्टल में मिलने पर मारने की धमकी दी और वापस चली गई। उस समय वहां मीनी मैम, इंटरन, नर्सिंग स्टाफ और गार्ड भी मौजूद थे। शुकुवार देर रात 2:15-2:40 बजे के बीच मैं ऑन ड्यूटी लेबर रूम में मरीज की डिलीवरी कराने में व्यस्त थी। तभी शानू और योगिता नशे की हालत में व्यस्त थी। तभी शानू और योगिता नशे की हालत में फिर से वहां पहुंचे। इसके बाद मेरा हाथ पकड़कर बाहर खींचने की कोशिश की। उन्होंने मेरे बाल खींचकर नीचे गिरा दिया।

नाबालिग की गट्टे में डूबने से मौत, रेलवे पुल निर्माण स्थल पर हादसा; परिजनों ने शव रखकर किया विरोध प्रदर्शन

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। जिले में ललितपुर-सिंगरौली रेलवे लाइन परियोजना में कोतवाली थाना क्षेत्र के गाड़ा बवन गांव में शुकुवार शाम 7 बजे निर्माणाधीन रेलवे पुल के गट्टे में डूबने से 12 साल के रमन सिंह की मौत हो गई। घटना के विरोध में शनिवार दोपहर परिजनों ने सीधी अस्पताल चौक पर शव रखकर प्रदर्शन किया। परिजनों का आरोप है कि पुल निर्माण के दौरान सुरक्षा मानकों की अनदेखी की गई। गहरे गड्ढों को न तो ढका गया और न ही कोई सुरक्षा व्यवस्था की गई।

1 घंटे तक लोगों ने किया चक्काजाम: प्रदर्शन के दौरान लोगों ने चक्काजाम कर दिया।



करीब एक घंटे तक यातायात बाधित रहा। डीएसपी अमन मिश्रा और पुलिस अधिकारियों की समझाइश के बाद जाम खुला। एसडीएम आर.पी. त्रिपाठी ने कहा कि प्रथम दृष्टया यह रेलवे विभाग और ठेकेदार की लापरवाही का मामला लगता है।

सीधी के नए एसपी संतोष कोरी ने संभाला पदभार, नशा मुक्ति, महिला सुरक्षा और कानून व्यवस्था पर रहेगा फोकस

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। मध्यप्रदेश केन्द्र के 2012 बैच के आईपीएस अधिकारी संतोष कोरी ने शनिवार को सीधी जिले के पुलिस अधीक्षक का कार्यभार संभाल लिया। वे इससे पहले 35वीं एसएएफ बटालियन में कमांडेंट के पद पर कार्यरत थे। हाल ही में हुए प्रशासनिक फेरबदल में उनकी नियुक्ति की गई। कोरी ने 2012 में भारतीय पुलिस सेवा में कार्यभार संभाला था। वे जनता से सीधे संवाद और त्वरित समाधान के लिए जाने जाते हैं। पुलिस विभाग में उन्होंने कई अहम जिम्मेदारियां निभाई हैं। नए एसपी ने अपनी प्राथमिकताओं को स्पष्ट किया है। उन्होंने कहा कि जिले को नशामुक्त बनाना उनका पहला लक्ष्य है। महिला सुरक्षा और बच्चों की सुरक्षा भी प्रमुख



एजेंड में शामिल है। साथ ही कानून व्यवस्था, अपराध नियंत्रण और साइबर अपराध पर विशेष ध्यान दिया जाएगा। कोरी का उद्देश्य सामुदायिक पुलिसिंग को मजबूत करना है। वे चाहते हैं कि जनता और पुलिस मिलकर काम करें। उनका मानना है कि इससे अपराधिक गतिविधियों पर अंकुश लगेगा और जिले में शांति व्यवस्था बनी रहेगी।

एनीमिया मुक्त भारत एवं राष्ट्रीय कृमि मुक्ति दिवस पर जिला स्तरीय बैठक सम्पन्न

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। जिले में शनिवार को एनीमिया मुक्त भारत और राष्ट्रीय कृमि मुक्ति दिवस कार्यक्रम को सफल बनाने के उद्देश्य से जिला स्तरीय समन्वय एवं उन्मुखीकरण कन्वर्नेन्स बैठक आयोजित की गई। बैठक में जिला प्रशासन, स्वास्थ्य विभाग, महिला एवं बाल विकास, आदिम जाति कल्याण, शिक्षा सहित कई विभागों के अधिकारी शामिल हुए।

बैठक में जिला टीकाकरण अधिकारी डॉ नागेन्द्र बिहारी दुबे ने प्रस्तुति देते हुए बताया कि 23 सितंबर 2025 को राष्ट्रीय कृमि मुक्ति दिवस और 26 सितंबर 2025 को माँप-अप दिवस मनाया जाएगा। इस दौरान जिले में 1 से 19 वर्ष आयु वर्ग के बच्चों और 20 से 49 वर्ष की गैर-गर्भवती एवं गैर-धात्री महिलाओं को एल्वेंडार्जॉल गोली दी जाएगी।



उन्होंने बताया कि 1 से 2 वर्ष के बच्चों को आधी गोली चूरकर, 2 से 3

वर्ष के बच्चों को पूरी गोली चूरकर, 2 से 3 वर्ष के बच्चों व 20 से 49 वर्ष की महिलाओं को पूरी गोली

चबाकर पानी के साथ दी जाएगी। यह प्रक्रिया शिक्षकों और आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं की निगरानी में होगी। वहीं

माँप-अप दिवस पर बची हुई दवाएं निर्धारित प्रपत्र सहित एएनएम और आशा कार्यकर्ताओं को सौंपी जाएंगी। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ बबिता खरे ने कहा कि अभियान को सफल बनाने में महिला एवं बाल विकास विभाग, आदिम जाति कल्याण विभाग, पंचायती राज संस्थान, निजी स्कूल, केंद्रीय विद्यालय, मदरसा एसोसिएशन, चाइल्ड केयर संस्थान, एनवाईके, एनसीसी, एनएसएस, स्वच्छ भारत अभियान और नगरीय प्रशासन सहित विभिन्न संगठनों की भूमिका अहम होगी। उन्होंने अभिभावकों से अपील की कि कृमि नाशन गोली का सेवन बच्चों और महिलाओं को अवश्य कराएं, ताकि उन्हें कृमि संक्रमण से बचाया जा सके और स्वस्थ जीवन सुनिश्चित हो सके।

हाल ही में हिमाचल प्रदेश में भारी बारिश, भूस्खलन और बर्फबारी जैसी प्राकृतिक आपदाओं ने राज्य के कई हिस्सों को प्रभावित किया है। लेकिन दुर्भाग्यवश, जहां एक ओर आम जनता इस संकट से जुझ रही है, वहीं दूसरी ओर कुछ वन माफिया और असामाजिक तत्व इस आपदा को ‘अवसर’ के रूप में देख रहे हैं। रिपोटर्स के अनुसार, ज्वालामुखी क्षेत्र में हाल ही में सरकारी जंगलों से बड़ी मात्रा में खैर (कीमती लकड़ी) की अवैध कटाई की गई, जिसे वन विभाग ने जब्त भी किया है। यह केवल एक उदाहरण नहीं है, बल्कि हिमाचल के कई हिस्सों में वन संपदा की लूट वर्षों से एक

संगठित और संरक्षित नेटवर्क के तहत चल रही है। ऐसी गतिविधियां बिना राजनीतिक संरक्षण और प्रशासनिक मिलीभगत के संभव ही नहीं। सवाल यह उठता है कि जो विभाग पर्यावरण की रक्षा के लिए बनाए गए हैं, वही यदि मौन दर्शक बन जाएं या भागीदार बन जाएं, तो आम जनता न्याय की उम्मीद किससे करे? वन माफिया की तरह ही खनन माफिया भी हिमाचल में तेजी से पैर पसार रहा है, खासकर सीमावर्ती क्षेत्रों में। यहां रेत-बजरी और अन्य खनिजों का अवैध

खनन दिन-रात चलता है। ट्रकों की आवाजाही, नदी-नालों का अंधाधुंध दोहन और पहाड़ों का कटाव- यह सब ‘घोषित-अघोषित मिलीभगत’ का ही परिणाम है। आशंका जताई जा रही है कि इसमें कुछ राजनीतिज्ञों और उच्च अधिकारियों की सलिसता हो सकती है, जो माफिया को संरक्षण प्रदान करते हैं। वन और

खनन माफिया बिना राजनीतिक शह और पुलिस-प्रशासन की चुपकी के कभी भी नहीं फल-फूल सकते। यह बात सब जानते हैं, पर कार्रवाई शायद ही कभी होती है। यह गठजोड़ लोकतंत्र और प्रशासन की जवाबदेही पर एक बड़ा प्रश्नचिह्न है। हिमाचल प्रदेश की पहचान वर्षों से एक ईमानदार, पर्यावरण-संवेदनशील और शांतिप्रिय

राज्य के रूप में रही है। पर्यटन, बागवानी, और शांति से जीने की संस्कृति ने इसे एक आदर्श राज्य के रूप में प्रस्तुत किया था। लेकिन आज, यही राज्य राष्ट्रव्यापी मीडिया में अवैध कटाई, खनन माफिया और भ्रष्टाचार जैसे मुद्दों के लिए चर्चा में है। यदि यही हाल रहा, तो हिमाचल की पहचान ही बदल जाएगी। आने वाली पीढ़ियों को न तो सुरक्षित वातावरण मिलेगा, न शुद्ध जल-संसाधन, और न ही वह नैतिक आधार, जिस पर यह राज्य टिका हुआ था। ‘बाढ़ ही फसल को

खा जाए तो क्या बचेगा?’, यह कथन अपने आप में बहुत शक्तिशाली और प्रतीकात्मक है। यदि वही लोग, जिन्हें व्यवस्था की रक्षा करनी थी, लूट का हिस्सा बन जाएं, तो फिर देश और समाज की सुरक्षा कौन करेगा? यह न केवल प्रशासनिक विफलता है, बल्कि यह समाज के नैतिक पतन का भी संकेत है। इस गंभीर स्थिति से निपटने के लिए कुछ ठोस सुझावों की आवश्यकता है। सर्वप्रथम, सभी अवैध कटाई और खनन मामलों की स्वतंत्र जांच एजेंसी द्वारा निष्पक्ष जांच कराई जानी चाहिए। जिन मामलों में राजनीतिक संरक्षण की संभावना हो, उन्हें विशेष न्यायालयों में शीघ्रता से निपटाया जाए।

अंग्रेजी के पेट में हिंदी का अल्सर

मृदुला श्रीवास्तव

प्रत्येक वर्ष 14 सितंबर पर हिंदी दिवस, हिंदी पखवाड़ा आते ही सभी सरकारी दफ्तरों के बॉस अपने तथाकथित हिंदी ज्ञान में अचानक इजाफा करते देखे पाए जाते हैं। ‘मिश्रा जी! योर लोन हैज बीन अफ़ूब्ड के लिए इस फाइल पर हिंदी में क्या लिखू?’ ‘सर लिखिए, आपका ऋण अनुमोदित हो गया है।’ ‘ऋण तो समझ आया, ये ‘अनुमोदित’ किस चिड़िया का नाम है? मंजूर हो गया है, ऐसा नहीं लिख सकते क्या?’ सच बड़ी अजीब है ये हिंदी।’ बधाई हो। बॉस के अंग्रेजी पेट में हर साल की तरह इस साल भी अल्सर टाइप हिंदी का यह दर्द अखिरकार फिर शुरू हो ही गया। हिंदी दिवस आने पर पता नहीं कहाँ, क्या, कब और कितना हिंदी पर बोलना-लिखना पड़ जाए भई, सो बॉस ने अपने सामने आने वाली हर फाइल पर महीना पहले से ही नोटिंग के वाक्यों की एक सूची टैबल पर बिछे प्लास के नीचे छिपा ली है। सामने बैठे अधीनस्थ हैरान परेशान। बॉस की उस अजीबोगीरब हिंदी में अपने स्टैनो को डिक्टेशन देते देखते हुए। दूसरे विभाग के साहब ने तो एक राजभाषा अधिकारी की सीट ही उठवा कर, अपने उस बड़े से कमरे में अपनी ही ऊंची कुर्सी के साथ, सोना मढ़े सिंहासन की तरह गढ़वा दी है। केवल और केवल राजभाषा अधिकारी ही जानता है, अपनी इस सुनहरी कुर्सी की दर्द भरी ओकाता। बॉस जानता है कि 14 सितंबर तक आते-आते ईएस शर्मा आपणा और कहेगा- ‘सर! आपको फलाने कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में भाषण देने और पुरस्कार वितरण के लिए जाना है।’ ‘अच्छ, तो इसमें क्या दिक्कत है? दे टूंगा बडिया स्पीच।’ कहते हुए बॉस की अंग्रेजी-हिंदी मिक्स खटाखट डिक्टेशन स्टार्ट- ‘सर! आपको भाषण अंग्रेजी में नहीं, हिंदी में देना है। ‘हिंदी में?’ बॉस यूं उछले मानो बिच्छू ने उंक मार दिया हो। ‘ज्यू मीन लेक्चर इन हिंदी?’ ‘इसमें क्या मुश्किल है?ज्आपने इस जॉब में आने पर, सदैव अपना 100 फीसदी कार्यालयी कार्य हिंदी में करने का संकल्प पत्र भी भरा था और आपने साक्षात्कार के समय कई हिंदी प्रतियोगिताओं में पुरस्कार मिलने के प्रमाणपत्र भी जमा किए थे, तो इसलिए सर! आपको भाषण तो हिंदी में ही देना चाहिए।’

‘मिक्स चलेगा?’ मानो पृष्ठ रहे हों कि अल्सर की यह दवा पानी की जगह चाय से खा लू? ‘सर आपकी बीमारी गंभीर है। किसी और को भेजना भी ठीक नहीं रहता ऐसे में।’ ‘रहता’ शब्द सुनते ही एक जुगाड़ थेरपी छत से चिपकी छिपकली की तरह बॉस के दिमाग के बिस्तर पर ऊपर से टपकी। ‘अरे हां, वो मुझे याद आयाज।4 सितंबर को तो मुझे शायद छुट्टी पर जाना पड़ेगा।’ हिंदी दिवस। अधीनस्थ ने कमरे में झांका। हस्ते-मामूल बॉस अपनी सीट से नदारद। क्या हिंदी सचमुच इतनी दुखदाई है कि बदे को अपनी एक छुट्टी इसके लिए खर्च करना पड़ गई। बॉस ने भी अपनी 32 साल की नौकरी में कोई कच्ची गोलियां नहीं खेली थीं। यूं भी बायोमीट्रिक सिस्टम पर पंच मार सुबह 9.30 पर ही पुस्तकालय में पहुंचे अलमारियों के पीछे ऊभते-सोते बॉस को कौन तो देखता और कौन तो टोकने की जुर्रत करता। सचमुच मिश्राजी! ये साली हिंदी, साल में एक बार ही सही, जब भी आती है, तो तड़पाती बहुत है। ‘और वो सर! हिन्दी वाले प्रमाणपत्र?’ ‘अरे छोड़ो न, वो तो जाली थे।’ शाम को बॉस अपने घर में बेटे से कह रहे थे- ‘क्या अंग्रेजी में गिट-पिटा रहा है? अपनी मां से कभी-कभी हिंदी भी पढ़ लिया कर। नहीं तो बहुत पिटेगा।’ बच्चा डर कर हिंदी की कविता रटने लगा। वो अलग बात है कि उस कॉन्वेंटी बच्चे ने हिंदी की कविता को अंग्रेजी वर्णमाला में लिख रखा था।

आतंकवाद की भूमि बनता भारत, जिम्मेदारी से भागते इस्लामी संगठन

डॉ. मयंक चतुर्वेदी

भारत के सामने आज सबसे बड़ी चुनौतियों में से एक है आतंकवाद। यह चुनौती देखा जाए तो सीमा पार से आने वाली गोलियों और बारूद से कहीं अधिक खतरनाक और विध्वंसक है, क्योंकि इसमें एक खास विचारधारा भी है जो देश के भीतर युवाओं के दिमाग में धीरे-धीरे जहर भर रही है। हाल ही में दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल और सेंट्रल एजेंसियों ने जिस टेरर मॉड्यूल का भंडाफोड़ किया है। उसमें दिल्ली, झारखंड, तेलंगाना और मध्य प्रदेश से पांच सदस्य आतंकियों को गिरफ्तार किया है। सदस्य आतंकियों के पास से बम बनाने की सामग्री और हथियार मिले हैं। ये सोशल मीडिया के जरिए पाकिस्तानी हैंडलर्स के संपर्क में थे। वस्तुतः-इनकी गिरफ्तारी सिर्फ एक घटना नहीं, बल्कि इस बात का संकेत है कि भारत की धरती पर इस्लामिक आतंकवाद की जड़ें फैलाने की कोशिशें लगातार तेज हो रही हैं।

नेपाल का लोकतंत्र: पुराने वर्चस्व से नई चुनौती तक

डॉ. सत्यवान लौरभ

1990 में नेपाल में बहुदलीय लोकतंत्र की वापसी हुई थी। जनता को उम्मीद थी कि अब सत्ता में विविधता आएगी और हर समुदाय को बराबरी का अवसर मिलेगा। लेकिन हुआ इसके ठीक उल्टा। 1990 से अब तक नेपाल ने 13 प्रधानमंत्री देखे। इनमें से 10 पहाड़ी ब्राह्मण और 3 क्षत्रिय रहे। यानी 35व मधेशियों की आबादी होने के बावजूद एक भी मधेशी प्रधानमंत्री नहीं बन पाया। जनजातीय और आदिवासी समूह संसद में मौजूद हैं, लेकिन उनके नेता केवल प्रतीकात्मक पदों तक सीमित रहे। दलित और महिलाएँ तो आज भी सत्ता के सबसे हाशिये पर खड़ी हैं। यह तस्वीर बताती है कि नेपाल का लोकतंत्र कितनी गहरी जातीय असमानता से ग्रस्त है। लोकतंत्र के नाम पर चेहरे तो बदले, लेकिन सत्ता का चरित्र वही रहा-ब्राह्मण और क्षत्रिय केंद्रित।

नेपाल की आधी से ज्यादा आबादी 35 साल से कम उम्र की है। यही वह नई पीढ़ी है जिसे जनरेशन¹ कहा जाता है। यह सोशल मीडिया, पॉप कल्चर और वैश्विक

राजनीति से जुड़ी हुई है। इनके लिए जाति और वंश की राजनीति पुरानी और अप्रासंगिक है। यह पीढ़ी पारदर्शिता चाहती है, समान अवसर चाहती है और सबसे बड़ी बात यह है कि यह बदलाव को केवल सोचती नहीं बल्कि मांग भी

करती है। सवाल यही है कि क्या नेपाल की पुरानी सत्ता संरचना इतनी आसानी से टूट जाएगी? नेपाली कांग्रेस, रू और माओवादी जैसे दल दशकों से सत्ता पर काबिज हैं। इनके नेता ब्राह्मण और क्षत्रिय समुदाय से आते

हैं और इनकी पकड़ प्रशासन, सेना और नौकरशाही तक फैली हुई है। सबसे बड़ी बात यह है कि सत्ता में बैठे लोग कभी आसानी से अपनी कुर्सी नहीं छोड़ते। अगर बदलाव की इस मांग को दबाया गया, तो इसके नतीजे गंभीर होंगे। युवा पीढ़ी

पहले ही अधीर है। वे सोशल मीडिया पर अपनी नाराजगी और सपनों को साझा कर रहे हैं। अगर उनकी आवाज़ दबाई गई, तो असंतोष सड़क पर आंदोलन में बदल सकता है। नेपाल ने पहले भी जनआंदोलन देखे हैं और इतिहास गवाह है कि जब जनता चाहती है, तो कोई भी सत्ता ढांचा स्थायी नहीं रह पाता।नेपाल आज दो राहों पर खड़ा है। एक तरफ पुरानी राजनीति है, जहाँ सत्ता कुछ जातियों के बीच बंटी हुई है। दूसरी तरफ नई राजनीति है, जो समावेशी, पारदर्शी और युवाओं से जुड़ी है। असली सवाल यह है कि क्या नेपाल जातीय ढांचे वाली राजनीति से आगे बढ़ पाएगा या नहीं। अगर नेपाल ऐसा कर पाता है तो दक्षिण एशिया में एक मिसाल बन सकता है। भारत, पाकिस्तान और बांग्लादेश जैसे देशों में भी राजनीति अक्सर वंशवाद और जातीय समीकरण में उलझी रहती है। नेपाल अगर इस ढांचे से बाहर निकलता है तो यह पूरे क्षेत्र के लिए प्रेरणा होगी। लेकिन अगर पुरानी सत्ता संरचना कायम रहती है, तो लोकतंत्र अधूरा ही रहेगा। युवाओं का भरोसा टूटेगा और यह भरोसा टूटना किसी भी लोकतंत्र के लिए सबसे खतरनाक स्थिति होती है।

प्रधानमंत्री आवास योजना ने बदली मंगलू की जिंदगी

सम्मान, सुरक्षा और आत्मनिर्भरता



की नई पहचान बनी योजना

रायपुर। प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) ने जरूरतमंद परिवारों के जीवन में नई रोशनी भर दी है। इसका सबसे जीवंत उदाहरण है सुकमा जिले के छिंदगढ़ गाँव निवासी मंगलू, जिनकी जिंदगी अब पूरी तरह बदल चुकी है। कभी वे अपने दो बच्चों के साथ जर्जर और कच्चे घर में रहते थे। बरसात में टपकती छत, गर्मी में तपती दीवारें और सर्दियों में असुरक्षा से भरी ठंडी रातें—ये सब उनके जीवन की कड़वी सच्चाई थीं। लेकिन प्रधानमंत्री आवास योजना के अंतर्गत 1.20 लाख रुपये की सहायता राशि और मनरेगा के तहत मिली मजदूरी से उनके सपनों का पक्का घर बन सका। गाँववालों की मदद और प्रशासन के मार्गदर्शन से कुछ ही महीनों में दो कमरे, साफ रसोई, बिजली और शौचालय से युक्त आधुनिक घर तैयार हो गया। जब मंगलू ने अपने परिवार के साथ नए घर में प्रवेश किया, तो उनकी आँखों से खुशी और राहत के आँसू झलक पड़े। भावुक होकर उन्होंने कहा कि अब मुझे दूसरों के घर शरण नहीं मांगनी पड़ती। मेरा भी अपना घर है। मेरे बच्चे चैन की नींद सोते हैं।

प्रधानमंत्री आवास योजना ने मंगलू जैसे हजारों परिवारों को न सिर्फ पक्का घर दिया है, बल्कि उन्हें सम्मान, सुरक्षा और आत्मनिर्भरता की नई पहचान भी दिलाई है। यह योजना साबित कर रही है कि सरकार का प्रयास समाज के सबसे वंचित वर्ग तक विकास की रोशनी पहुँचा रहा है। जिला सीईओ मुकुंद ठाकुर ने बताया कि जिले में पात्र परिवारों तक पीएम आवास योजना तेजी से पहुँचाई जा रही है। प्रशासन यह सुनिश्चित कर रहा है कि हर जरूरतमंद को उसका अधिकार मिले। साथ ही, ग्रामीणों को आवास के साथ-साथ स्थानीय स्तर पर रोजगार भी उपलब्ध कराया जा रहा है, जिससे सामाजिक सहभागिता और आत्मनिर्भरता दोनों को मजबूती मिल रही है।

पीएम आवास योजना से मिला छत का सहारा

रायपुर। राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन (एनआरएलएम) अंतर्गत सूरजपुर जिले की महिलाएं आज आत्मनिर्भरता और खुशहाली की नई मिसाल कायम कर रही हैं। ग्राम नरेशपुर की दिव्य ज्योति महिला स्वयं सहायता समूह की सदस्य भाग्य लक्ष्मी तिवारी इसका उक्तूष्ट उदाहरण हैं। तिवारी को प्रधानमंत्री आवास योजना के अंतर्गत आवास स्वीकृत हुआ। इस योजना से उन्हें अपने परिवार के लिए पक्के घर का सपना साकार करने का अवसर मिला। हालाँकि, उन्हें लगा कि घर का बजट अधिक है और आर्बिट्ररी राशि से वे बड़ा घर नहीं बना पाएंगी। इसी बीच बिहान योजना ने उनके सपनों को उड़ान दी। बिहान योजना के अंतर्गत एनआरएलएम से सामुदायिक निवेश कोष तथा बैंक लिकेज के माध्यम से उन्हें 1 लाख 20 हजार रुपये का ऋण प्राप्त हुआ। इस वित्तीय सहाय्य से वे अपने घर को अपेक्षा के अनुरूप बड़ा और सुविधाजनक बनाने में सफल हुईं। तिवारी ने खुशी व्यक्त करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री आवास योजना और बिहान योजना के संयोजन से आज उनका सपना साकार हुआ है। अब उनके पास न केवल एक पक्का और सुरक्षित घर है बल्कि आत्मनिर्भर जीवन की नई राह भी खुल गई है। उन्होंने कहा कि आज हमारे पास खुशियों की चाबी है और यह सरकार की योजनाओं के कारण संभव हो सका है। प्रधानमंत्री आवास योजना और बिहान योजना का यह समन्वय ग्रामीण महिलाओं व परिवारों को न केवल आवास उपलब्ध करा रहा है बल्कि आर्थिक संबल भी प्रदान कर रहा है।

आंगनवाड़ी केंद्र में बच्ची की मृत्यु पर हटाए गए

रायपुर। कलेक्टर नूपुर राशि पन्ना के निर्देशानुसार आगनबाड़ी केंद्र पदेली स्कूलपाय, सेक्टर- मर्दापाल-02 परियोजना कोण्डागांव-03 में करंट लगने से एक बच्ची की मृत्यु की घटना पर आंगनबाड़ी कार्यकर्ता एवं सहायिका को बर्खास्त किया गया है। वहीं पर्यवेक्षक को निलंबित किया गया है परियोजना अधिकारी एकीकृत बाल विकास परियोजना कोडगांव 3 द्वारा जारी आदेश के अनुसार उक्त घटना में आंगनबाड़ी कार्यकर्ता श्रीमति धसनी बाई एवं आंगनबाड़ी सहायिका श्रीमति ममता कोराम के घोर लापरवाही प्रदर्शित होने के कारण आंगनबाड़ी कार्यकर्ता एवं सहायिका को तत्काल प्रभाव से पद से पृथक् किया गया है। साथ ही जिला कार्यक्रम अधिकारी महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा जारी आदेश के अनुसार पर्यवेक्षक द्वारा पर्यवेक्षण कार्य में लापरवाही तथा स्वेच्छाचारी आचरण पाये जाने पर छत्तीसगढ़ सिविल सेवा (वर्गीकरण, नियंत्रण एवं अपील) नियम 1966 के नियम 9 के तहत संबंधित मनीषा कतलाम, पर्यवेक्षक, सेक्टर मर्दापाल-02 को तत्काल प्रभाव से निलंबित किया गया है।

भू-अर्जन की कार्यवाहियों में लाएं तेजी : अरुण साव

उप मुख्यमंत्री ने लोक निर्माण विभाग के कार्यों की समीक्षा की

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। उप मुख्यमंत्री तथा लोक निर्माण मंत्री अरुण साव ने आज विभागीय कार्यों की समीक्षा की। उन्होंने नवा रायपुर स्थित विश्राम भवन में आयोजित बैठक में शासन द्वारा स्वीकृति प्राप्त सड़क निर्माण के कार्यों के लिए जरूरी भू-अर्जन की कार्यवाहियों में तेजी लाने के निर्देश दिए। उन्होंने इस संबंध में जिला कलेक्टर के साथ मिलकर त्वरित कार्यवाही करने को कहा। उन्होंने सभी निर्माण कार्यों में गुणवत्ता के साथ ही उन्हें निर्धारित समय पर पूरा करने पर जोर दिया। लोक निर्माण विभाग के सचिव डॉ. कमलप्रीत सिंह और प्रमुख अभियंता वी.के. भतपहरी भी समीक्षा बैठक में शामिल



उप मुख्यमंत्री अरुण साव ने वित्तीय वर्ष 2024-25 और 2025-26 के कार्यों को समयबद्ध

मंत्री लक्ष्मी राजवाड़े ने जशपुर में महिला एवं बाल विकास समाज कल्याण विभाग के अधिकारियों की संयुक्त बैठक ली

महिलाओं और बच्चों के पोषण पर ध्यान देने के निर्देश

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। महिला एवं बाल विकास तथा समाज कल्याण मंत्री लक्ष्मी राजवाड़े ने आज जशपुर स्थित जिला पंचायत कार्यालय के सभाकक्ष में में महिला एवं बाल विकास तथा समाज कल्याण विभाग के अधिकारियों की संयुक्त बैठक लेकर दोनों विभागों की योजनाओं एवं कार्यक्रमों की प्रगति की गहन समीक्षा की। उन्होंने अधिकारियों को आम जनता के हित में योजनाओं एवं कार्यक्रमों का प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

मंत्री राजवाड़े ने कहा कि जशपुर मुख्यमंत्री जी का गृह जिला है। इसे आदर्श जिले के रूप में विकसित करना राज्य सरकार की प्राथमिकता है। उन्होंने अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए कि गर्भवती एवं शिशुवती माताओं और बच्चों को गुणवत्तापूर्ण पोषण उपलब्ध कराया जाए तथा रेडी-टू-ईट और टीएचआर वितरण में किसी भी प्रकार की लापरवाही न हो।

राजवाड़े ने आंगनबाड़ी केंद्रों की स्वच्छता पर विशेष बल देते हुए कहा कि बरसात के दिनों में पिछले जीव-जंतु का खतरा अधिक रहता है, इसलिए प्रत्येक केंद्र की नियमित सफाई की जानी चाहिए। उन्होंने बच्चों और अभिभावकों को भी स्वच्छता के प्रति जागरूक करने की भी बात कही। मंत्री राजवाड़े ने विशेष पिछड़ी जनजातीय क्षेत्रों में शासकीय योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन और जागरूकता के लिए बेहतर नीति बनाने की आवश्यकता पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि इन इलाकों में महिला और बच्चों की सुपोषित बनाना

दंग से आगे बढ़ाते हुए समय-सीमा में पूर्ण करें। उन्होंने कार्यों की धीमी प्रगति पर नाराजगी जताते हुए अधिकारियों को फील्ड में सक्रियता व गंभीरता से काम करने के निर्देश दिए। उन्होंने प्रशासकीय स्वीकृति प्राप्त सभी कार्यों में तेजी से भू-अर्जन कर निविदा की कार्यवाही पूर्ण करने और यथाशीघ्र कार्या्रंभ करने को कहा।

उप मुख्यमंत्री साव ने बैठक में मौजूद सेतु बंध तथा सभी परिक्षेत्रों के मुख्य अभियंताओं को निर्देशित करते हुए कहा कि अपने दायित्वों का गंभीरता से निर्वहन करते हुए प्रस्तावित कार्यों के लिए जरूरी मंजूरी तत्परता से प्रदान करें। उन्होंने डीपीआर बनाते समय ही परियोजना का अच्छे से मूल्यांकन करने

को कहा ताकि बजट और कार्य पूर्णता के लिए निर्धारित समय के पुनरीक्षण की जरूरत न पड़े। उन्होंने बरसात के तुरंत बाद प्रदेशभर में सड़कों की मरम्मत का काम युद्धस्तर पर प्रारंभ करने के निर्देश दिए। उन्होंने दिसम्बर तक सभी जिलों में मरम्मत का काम पूर्ण करने को कहा।

साव ने सभी मुख्य अभियंताओं को अगली समीक्षा बैठक के पहले भू-अर्जन, प्राकलन, निविदा, कार्य अनुबंध और कार्यादेश से संबंधित सभी कार्यवाहियों को पूर्ण करने के निर्देश दिए। उन्होंने बैठक में सड़कों पर पेच रिपेयर के लिए कार्ययोजना के अनुसार अनुबंध एवं कार्यादेश की स्थिति, राष्ट्रीय राजमार्ग तथा ए.डी.बी. के अपूर्ण कार्यों की प्रगति की भी समीक्षा की।

देश का प्रथम डिजिटली जीवंत संग्रहालय लगभग बनकर तैयार

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी राज्योंसव पर करेंगे संग्रहालय का शुभारंभ

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। नवा रायपुर में शहीद वीर नारायण सिंह स्मारक सह आदिवासी स्वतंत्रता संग्राम सेनानी संग्रहालय लगभग बनकर तैयार हो गया है। देश का पहला डिजिटली संग्रहालय होगा, जहां छत्तीसगढ़ के आदिवासी स्वतंत्रता सेनानियों के गौरव गाथा एवं योगदान की जीवंत झांकी देखने को मिलेगी। यह संग्रहालय आदिम जाति अनुसंधान एवं प्रशिक्षण संस्थान, परिसर में तैयार हो रहा है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के राज्योंत्सव के मौके पर छत्तीसगढ़ प्रवास के दौरान इस संग्रहालय के उद्घाटन के महंजर प्रमुख सचिव सोनमणि बोरा ने संग्रहालय की निर्माण की प्रगति की समीक्षा की और 30 सितम्बर तक सभी कार्य पूर्ण करने के निर्देश दिए। उन्होंने भगवान बिरसा मुंडा एवं रानी गाड्डल्यू की मूर्ति

लगाने और संग्रहालय के फर्श पर ट्राईबल कलाकारों की आर्ट्स को अंकित करने के साथ ही संग्रहालय की सुरक्षा व्यवस्था के संबंध में भी अधिकारियों को निर्देश दिए। बैठक में आयुक्त डॉ. साराश मिस्तर, छत्तीसगढ़ राज्य अंत्यावसायी निगम के संचालक डॉ. जगदीश कुमार सोनकर, संचालक टीआरटीआई हीना अनिमेष नेताम सहित निर्माण कार्य से जुड़े अधिकारी और निविदाकार उपस्थित थे।

डिजिटल स्क्रीन पर मिलेगी जनजातीय विद्रोहों की झलकः शहीद वीर नारायण सिंह स्मारक सह आदिवासी स्वतंत्रता संग्राम सेनानी संग्रहालय में स्वतंत्रता आंदोलन के समय छत्तीसगढ़ में हुए विभिन्न आदिवासी विद्रोहों जैसे हल्बा विद्रोह, सरगुजा विद्रोह, भोपालपड़मन विद्रोह,

परलकोट विद्रोह, तारापुर विद्रोह, लिंगागिरी विद्रोह, कोई विद्रोह, मेरिया विद्रोह, मुरिया विद्रोह, रानी चौरिस विद्रोह, भूमकाल विद्रोह, सोनाखान विद्रोह, झण्डा सत्याग्रह एवं जंगल सत्याग्रह के वीर आदिवासी नायकों के संघर्ष (1923, 1920) एवं शौर्य के दृश्य का जीवंत प्रदर्शन होगा।

शहीद वीरनारायण सिंह स्मारक सह आदिवासी स्वतंत्रता सेनानियों पर आधारित यह संग्रहालय पूरी तरह से डिजिटली रूप से तैयार किया जा रहा है। आगतुक डिजिटल स्क्रीन के माध्यम से आदिवासी विद्रोहों की जानकारी ले सकेंगे। इसके अलावा मोबाइल फोन के जरिए भी क्यू आर कोड स्कैन के जरिए देखी जा सकेंगी। स्वतंत्रता सेनानियों की जानकारी हिन्दी एवं अंग्रेजी भाषाओं में उपलब्ध रहेगी।

करसाय ता बस्तर बरसाय ता बस्तर :

उप मुख्यमंत्री द्वय अरुण साव और विजय शर्मा ने बस्तर ओलंपिक की तैयारियों की समीक्षा की

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। उप मुख्यमंत्री द्वय अरुण साव और विजय शर्मा ने बस्तर ओलंपिक की तैयारियों की समीक्षा की। उप मुख्यमंत्री साव के नवा रायपुर स्थित निवास कार्यालय में आज आयोजित बैठक में पिछले वर्ष की तरह इस वर्ष भी बस्तर ओलंपिक का वृहद आयोजन करने इसकी रुपरेखा और व्यवस्थागत तैयारियों पर गहन चर्चा की गई। आगामी अक्टूबर-नवम्बर में होने वाले बस्तर ओलंपिक में तीन स्तरों विकासखंड, जिला और संभाग स्तर पर विभिन्न खेल प्रतियोगिताएं आयोजित की जाएंगी। इनमें बस्तर संभाग के सातों जिलों और 32 विकासखंडों के 40 हजार से अधिक खिलाड़ी भाग लेंगे। खेल



और युवा कल्याण विभाग के सचिव यशवंत कुमार, संयुक्त सचिव सुखनाथ अहिरवार और संचालक तनूजा सलाम भी बैठक में शामिल हुईं।

उप मुख्यमंत्री तथा खेल एवं युवा कल्याण मंत्री अरुण साव ने बैठक में कहा कि बस्तर ओलंपिक केवल खेलों का आयोजन नहीं है, बल्कि विकास और खेल का संगम है। यह संगठित रूप से

वाक्य ‘करसाय ता बस्तर बरसाय ता बस्तर’ (खेलोग बस्तर जीतेगा बस्तर) को धरातल पर उतारने के निर्देश दिए। साव ने यूथ आइकॉन घोषित किए गए पिछले वर्ष के विजेता खिलाड़ियों, बस्तर संभाग के सभी खेल अधिकारियों, पी.टी.आई., पंचायत सचिवों, ‘बिहान’ की महिलाओं और खेल संघों को सक्रियता से जोड़कर बस्तर ओलंपिक को जन-जन तक पहुंचाने को कहा।

उप मुख्यमंत्री तथा गृह मंत्री विजय शर्मा ने बैठक में खेल एवं युवा कल्याण विभाग के अधिकारियों से कहा कि बस्तर ओलंपिक को यादगार बनाने सभी विभाग अपनी-अपनी भूमिका और कार्यों के अनुरूप जिम्मेदारियों का वहन करें।

वन मंत्री कश्यप ने पीएम सूर्य घर योजना

जागरूकता रथ को हरी झंडी दिखाकर किया रवाना

मौडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)।



मौडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्री केशव ने आज जगदलपुर में प्रधानमंत्री सूर्य घर योजना के प्रति जागरूकता बढ़ाने के लिए रथ को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। यह रथ पावर हाउस चौक स्थित सब स्टेशन से अपनी यात्रा पर निकला है। इस रथ का उद्देश्य शहर और आस-पास के गांवों में घूमकर लोगों को जागरूक कर इस योजना के लाभ और आवेदन प्रक्रिया के बारे में जानकारी देना है। इस अवसर पर वन मंत्री कश्यप ने कहा कि यह योजना लोगों को बिजली के बिल से राहत दिलाने में सहायक होगी। यह केंद्र सरकार की एक महत्वपूर्ण पहल है, जिसका उद्देश्य देशभर में सौर ऊर्जा के उपयोग को बढ़ावा देना है। उन्होंने बताया कि इस योजना के तहत सरकार द्वारा 78 हजार रुपये तक की सब्सिडी प्रदान की जा रही है, इसके साथ ही राज्य सरकार द्वारा भी 30 हजार रुपए की सहायता प्रदान की जा रही है। इससे लोगों को अपने घरों में सोलर पैनल लगाना आसान हो गया है। इस अवसर पर विधायक किरण देव और महापौर संजय पांडे सहित अन्य जनप्रतिनिधि और ऊर्जा विभाग के वरिष्ठ अधिकारी मौजूद थे।

स्कूल शिक्षा मंत्री यादव ने किया ‘वृहद रोजगार मेला-2025’ का शुभारंभ

आठ चयनित युवाओं को मौके पर ही सौंपे नियुक्ति पत्र

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। छत्तीसगढ़ राज्य स्थापना के 25 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में शासकीय विश्वनाथ यादव तामस्कर स्वशासी महाविद्यालय दुर्ग में आज वृहद रोजगार मेला-2025 का आयोजन किया गया। स्कूल शिक्षा, विधि एवं विधायी कार्य तथा ग्रामोद्योग मंत्री गजेन्द्र यादव ने इस वृहद रोजगार मेला-2025 का शुभारंभ किया।

स्कूल शिक्षा मंत्री गजेन्द्र यादव ने रोजगार मेले में उपस्थित छात्र-छात्राओं से सीधे संवाद किया और उनकी उत्सुकता की सराहना की। उन्होंने कहा कि यह महाविद्यालय उनका पूर्व शिक्षा संस्थान रहा है और इस मंच पर आकर उनकी पुरानी स्मृतियां ताजा हो गईं। इस रोजगार मेले में 28 प्रतिष्ठित कंपनियों ने भाग

शासकीय विश्वनाथ यादव तामस्कर स्वावकोतर स्वशासी महाविद्यालय

उन्नत जयंती धार्मिकोत्सव

राज्य



स्वरोजगार के अवसर प्रदान किए जा रहे हैं। इस अवसर पर महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. अजय कुमार सिंह, शासकीय महाविद्यालयों के प्राध्यापकगण तथा बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं उपस्थित थे।

ओंकारेश्वर में ढाई साल की मासूम पर कार का पहिया चढ़ा, मौत

8 लेन एसप्रेस-वे का हिस्सा धंसा:बारिश से मिट्टी का कटाव

खंडवा में रिवर्स आते वाहन की चपेट में आई बच्ची, कार जत; ड्राइवर पर केस

खंडवा, एजेंसी।ओंकारेश्वर में शुक्रवार दोपहर एक बड़ा हादसा हो गया। यूपी से आए एक श्रद्धालु की कार ने रिवर्स लेते हुए मासूम बच्ची को कुचल दिया। बच्ची की मौके पर ही मौत हो गई। आक्रोशित लोगों ने हंगामा कर दिया, जिसके बाद पुलिस ने कार को जब्त कर ड्राइवर के खिलाफ गैर इरादतन हत्या का केस दर्ज किया है। बच्ची की मौत के बाद घटनास्थल पर परिजन फूट-फूटकर रोए हैं। घटना हाट बाजार क्षेत्र में हुई।

कार रिवर्स लेते समय मासूम पर पहिया चढ़ा:यूपी पासिंग वाहन के रिवर्स लेने के बच्ची पिछले पहिए की चपेट में आ गई। ढाई वर्षीय सिया पिता अरुण की मौके पर ही मौत हो गई। सिविल अस्पताल ओंकारेश्वर के डॉ. रवि वर्मा ने बताया कि बालिका को मृत अवस्था में ही अस्पताल लाया गया। पोस्टमार्टम के बाद शव को परिजन के सुपुर्द किया जाएगा।मांथाता थाना प्रभारी मांथाता अनोखसिंह सिंदिया ने बताया कि



गाड़ी और चालक दोनों को पुलिस कस्टडी में लिया गया है। बीएनएस की धारा 106 और 281 के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी गई है। बच्ची सिया का परिवार मूल रूप से धर्मपुरी का रहने वाला है। परिवार इस समय ओंकारेश्वर में रह रहा था। बच्ची के पिता आंटो ड्राइवर है।

लगी नेशनल लोक अदालत:18 हजार मामलों के निपटारे के लिए 24 खंडपीठ गठित

न्यायाधीश बोले : यह त्वरित निपटारे का सबसे अच्छा माध्यम



सीहोर, एजेंसी।सीहोर जिला मुख्यालय में शनिवार को नेशनल लोक अदालत का शुभारंभ प्रधान जिला न्यायाधीश प्रकाश चंद्र आर्य ने किया। कार्यक्रम में विधिक सेवा प्राधिकरण की सचिव न्यायाधीश स्वप्न सिंह सहित कई न्यायाधीश और अधिकारका मौजूद रहे।

18 हजार से अधिक मामले आए: इस दौरान प्रधान जिला न्यायाधीश आर्य ने बताया कि लोक अदालत में कुल 18 हजार से अधिक मामले रखे गए हैं। इनमें राजीनामा योग्य 2500 से अधिक और प्रीलिटिगेशन के 15 हजार से अधिक प्रकरण शामिल हैं। इन मामलों के निपटारे के लिए जिले में 24 खंडपीठों की स्थापना की गई है।

न्यायाधीश बोले- यह त्वरित निपटारे का सबसे अच्छा माध्यम:न्यायाधीश आर्य ने कहा कि नेशनल लोक अदालत मामलों के त्वरित निपटारे का सबसे अच्छा माध्यम है।

नर्मदापुरम में डीएपी-यूरिया की कालाबजारी मामला, जांच करने पहुंचे अफसर

डीएपी-यूरिया को अधिक बेचते तहसीलदार ने पकड़ा था, 4 सदस्यीय टीम कर रही जांच

नर्मदापुरम,एजेंसी।नर्मदापुरम के बांद्राभान रोड पर घानाबढ़ के पास एक दुकान से कालाबजारी के शक: जब्त डीएपी और यूरिया के स्टॉक की जांच शुरू हो गई है। एसडीएम नीता कोरी ने जांच के लिए 11 सितंबर को चार सदस्यीय दल गठित किया। शुक्रवार शाम 4.30 बजे दल जांच करने घानाबढ़ स्थित मोहन खडेलवाल की दुकान पर पहुंचा।



थी।छापे में मौके पर 170 बोरी डीएपी यूरिया जब्त किया था। जिसमें यूरिया की 78 बोरी और डीएपी की 92 बोरी थी। दुकान को आरआई और पटवारियों की मौजूदगी में सील कर दिया गया था। कारवाई का दौरान दुकानदार मोहन खडेलवाल ने खुद स्वीकार किया था कि खुद के उपयोग के लिए डीएपी और यूरिया डबल लॉक गोदाम नर्मदापुरम से खरीदकर लाया था। इस बीच कुछ किसान को 300रुपए प्रति बोरी में देकर उसकी मदद की दिया।

जंगल में पेड़ पर युवक का शव फंदे पर मिला, सागर में घर से नदी की ओर गया था; जांच में जुटी पुलिस



सागर, एजेंसी। सागर के रहली थाना क्षेत्र के मादरा और रेजा तिगड्डा के बीच जंगल में 35 वर्षीय युवक का शव फंदे पर मिला। शव की जानकारी मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और पंचनामा तैयार कर पोस्टमार्टम के लिए शव अस्पताल भेजा। पुलिस आत्महत्या के कारणों की जांच कर रही है।

मृतक रविकांत उर्फ गुलशन प्रजापति,

पिता प्यारेलाल प्रजापति, निवासी नदी मोहल्ल रहली, घर से नदी की ओर गया था। देर तक वापस न आने पर परिवार ने उसकी तलाश शुरू की।

जंगल में मिला शव:शुक्रवार रात करीब 8 बजे रेजा तिगड्डा के जंगल में रविकांत का शव पेड़ पर फंदे पर मिला। सूचना पर रहली पुलिस मौके पर पहुंची और शव का पंचनामा बनाया।

बालाघाट में सरकारी जमीन को लेकर विवाद

स्व-सहायता समूह पौधारोपण और ग्रामीण आवास के लिए कर रहे दावा, दो पक्षों पर केस

बालाघाट,एजेंसी।बालाघाट के लामता क्षेत्र के पांडेवाड़ा गांव में सरकारी जमीन को लेकर विवाद खड़ा हो गया है। मौरिया पंचायत के इस गांव में खसरा नंबर 42 की करीब 3 एकड़ भूमि पर दो पक्ष दावा कर रहे हैं।

एक तरफ मां दुर्गा स्व-सहायता समूह इस जमीन पर पौधारोपण करना चाहता है। समूह की सचिव गंगा टेंभरे का कहना है कि उनके पास ग्राम पंचायत से लेकर कलेक्टर तक के दस्तावेज हैं। वे गांव के पर्यावरण को शुद्ध करने के लिए पौधारोपण कर रहे थे, जिसे दूसरे पक्ष ने उखाड़ दिया।

लोग जमीन का उपयोग रहने के लिए करना चाहते

दूसरी तरफ ग्रामीण इस जमीन को आवासीय उपयोग के लिए चाहते हैं। ग्रामीण सुरेन्द्र मर्सकोले ने बताया कि उन्होंने 28 परिवारों के लिए इस भूमि को चिन्हित किया है।

खरगोन के 14 छात्र प्रांतीय मलखंभ टीम में चयनित, उज्जैन में होगी जनजातीय विभाग की राज्यस्तरीय स्पर्धा



खरगोन,एजेंसी। खरगोन के स्टेडियम ग्राउंड पर जनजातीय कार्य विभाग की राज्य स्तरीय मलखंभ टीम का चयन हुआ। पश्चिम और दक्षिण क्षेत्र की बालक-बालिका टीमों ने इस चयन प्रक्रिया में भाग लिया। खिलाड़ियों के प्रदर्शन के आधार पर प्रदेश स्तरीय टीम का

गठन किया गया।देवी अहिल्या उक्तृष्ट स्कूल खरगोन के कुल 14 खिलाड़ियों का चयन हुआ। इनमें 10 छात्र और 4 छात्राएं शामिल हैं। ये सभी खिलाड़ी उज्जैन में आयोजित होने वाली राज्यस्तरीय प्रतियोगिता में हिस्सा लेंगे।स्कूल के प्राचार्य राजेंद्र पाटीदार ने चयनित

खिलाड़ियों को आगे की तैयारी के लिए प्रेरित किया। उन्होंने अचयनित खिलाड़ियों को भी कड़ी मेहनत करने की सलाह दी। कार्यक्रम में क्रीड़ा अधिकारी अधिन गुप्ता, दीपक वाघ, योगेश वाघ, पीटीआई समीम खान, जितेंद्र हिस्वे और ललित सिसोदिया उपस्थित रहे।

आंगनवाड़ी कार्यकर्ता और सहायिका भर्ती के लिए आखिरी मौका

19 सितंबर तक ऑफलाइन दावा-आप्री स्वीकार, केवल खिलचीपुर में बढ़ेगा समय



राजगढ़, एजेंसी। राजगढ़ में आंगनवाड़ी केन्द्रों पर कार्यकर्ता और सहायिका के रिक्त पदों पर भर्ती प्रक्रिया चल रही है। कलेक्टर डॉ. गिरीश कुमार मिश्रा के निर्देश पर जिला कार्यक्रम अधिकारी श्यामबाबु खरे ने महत्वपूर्ण जानकारी दी है।जिन आवेदकों ने तकनीकी या अन्य कारणों से ऑनलाइन दावा-आपति दर्ज नहीं की है, वे अब ऑफलाइन माध्यम से आपति दर्ज करा सकते हैं। आवेदक 19 सितंबर 2025 तक अपने प्रमाणों के साथ आपति जमा कर सकते हैं। आपतियां संबंधित

सड़क किनारे मिली घायल महिला, सिर पर चोट के निशान

निवाड़ी,एजेंसी।निवाड़ी के पास झांसी-खजुराहो राष्ट्रीय राजमार्ग पर घुंझरा गांव के पास शनिवार सुबह एक महिला घायल अवस्था में मिली। महिला सर्विस रोड के किनारे अचेत पड़ी थी। स्थानीय लोगों ने तुरंत 108 एंबुलेंस को सूचना दी। एंबुलेंस की टीम ने महिला को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया। डॉक्टरों



ने प्राथमिक उपचार के बाद उन्हें झांसी मेडिकल कॉलेज रेफर कर दिया। महिला

अभी बयान देने की स्थिति में नहीं है।

महिला को जेब से मिले आधार कार्ड के अनुसार उनका नाम कल्पना है। वे गोपाल चंद अग्रवाल की पत्नी हैं। खून से सना चेहरा होने के कारण पहचान की पूरी पुष्टि नहीं हो पाई है। पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है। घटना दुर्घटना है या अन्य कारण, इसकी जांच की जा रही है।

अनूपपुर पुलिस को बस स्टैंड पर 11 साल बच्चा मिला

अनूपपुर, एजेंसी। अनूपपुर कोतवाली पुलिस ने एक 11 वर्षीय बच्चे को उसके परिवार से मिलाने में सफलता हासिल की है। बच्चा शुक्रवार दोपहर बस स्टैंड पर भटकता हुआ मिला था। आरक्षक प्रकाश तिवारी ने दोपहर करीब 1 बजे इधुटी के दौरान बच्चे को देखा। वह उसे थाने ले गए। बच्चे से नाम और पता पूछा। बच्चे ने अपना नाम तुषार यादव बताया और यह भी कि वह सूरजपुर, छत्तीसगढ़ का रहने वाला है। हालांकि, वह अपने माता-पिता का नाम नहीं बता पाया। पुलिस ने बच्चे के खाने-पीने की व्यवस्था की।

कोतवाली निरीक्षक अरविंद जैन ने बच्चे की फोटो सोशल मीडिया पर शेयर की। इस पोस्ट से



बच्चे के परिजनों तक जानकारी पहुंची। बच्चे की मां पार्वती यादव (32) अपने जीजा शिवकुमार यादव और अन्य परिजनों के साथ थाने पहुंची। पार्वती ग्राम गिरवरगंज (पैचरा) सूरजपुर, छत्तीसगढ़ की रहने वाली हैं।

पुलिस ने बच्चे को सकुशल उसकी मां और परिजनों के हवाले कर दिया। परिवार ने बच्चे को सुरक्षित वापस मिलाने के लिए कोतवाली पुलिस का आभार जताया।

एनएचआई के प्रोजेक्ट मैनेजर संदीप पाटीदार ने बताया बहुत ज्यादा बारिश के कारण गेबियन वॉल का एक हिस्सा डेमेज हुआ था। गेबियन वॉल रोड किनारे बड़े-बड़े पत्थरों को जमा कर लोहे के तार से बांध कर बनाया जाता है। जो मिट्टी के कटाव को रोकती है। इसके रिपेयर का तरीका यह है कि पूरी वॉल खोलना पड़ती है। सारे पत्थर हटाकर वापस से जमाए जाते हैं। अभी वहीं काम चल रहा है। मेन एक्सप्रेस वे पर कोई डैमेज नहीं है। ट्रैफिक चालू है। जो वीडियो आया है वह हमारे द्वारा खोली गई वॉल का है।

क्या होती गेबियन वॉल:गेबियन वॉल एक रिटिंग वॉल होती है। जो पत्थर, बजरी या अन्य सामग्री से भरे तार के पिंजरों (मेश केज) से बनाई जाती है।गेबियन वॉल का निर्माण मिट्टी के कटाव और मिट्टी के बहाव को रोकने के लिए कराया जाता है। इस वॉल को ढलानों पर बनाया जाता है। एक तरह से यह सुरक्षा घेरा होता है।

मिट्टी को निकालकर नए सिरे से सुधारा जा रहा है।

वीडियो सामने आया:जिस रोड का हिस्सा धंसा है उसका वीडियो भी सामने आया है। कर्मचारी भी काम करते हुए दिख रहे हैं। लेकिन अधिकारी उस वीडियो को काम के दौरान का बता रहे हैं।



महज 39 गेंदों में शतक, फिल साल्ट ने टी20 मैच में बनाया नया रिकॉर्ड

नई दिल्ली, एजेंसी। इंग्लैंड के सलामी बल्लेबाज फिल साल्ट ने साउथ अफ्रीका के खिलाफ महज 39 गेंदों में टी20 शतक जड़ा। साल्ट ने यह कारनामा शुक्रवार देर रात मैनचेस्टर में किया। इस पारी के साथ फिल साल्ट ने कुछ बड़े रिकॉर्ड्स भी अपने नाम कर लिए। फिल साल्ट ने 60 गेंदों में 8 छक्कों और 15 चौकों की मदद से 141 रन की नाबाद पारी खेली। इस दौरान साल्ट इंग्लैंड की ओर से सबसे तेज टी20 शतक बनाने वाले बल्लेबाज बने। फिल साल्ट ने इस मामले में लियाम लिविंगस्टोन का रिकॉर्ड तोड़ दिया है, जिन्होंने साल 2021 में नॉटिंघम में पाकिस्तान के विरुद्ध 42 गेंदों में टी20 शतक पूरा किया था। यह इंग्लैंड के किसी बल्लेबाज की टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में सबसे बड़ी पारी है। इस लिस्ट में दूसरे पायदान पर भी फिल साल्ट का ही नाम है, जिन्होंने साल 2023 में वेस्टइंडीज के विरुद्ध 119 रन बनाए थे। वहीं, साल 2014 में श्रीलंका के खिलाफ नाबाद 116 रन बनाने वाले एलेक्स हेल्स लिस्ट में तीसरे स्थान पर हैं। ओल्ड ट्रैफर्ड के मैदान पर खेले गए इस मुकाबले की बात करें, तो इंग्लैंड ने निर्धारित ओवरों में 2 विकेट खोकर 304 रन बनाए। इस टीम के लिए साल्ट ने 141 रन की पारी खेली, जबकि जोस बटलर ने 30 गेंदों में 7 छक्कों और 8 चौकों की मदद से 83 रन बनाए। इनके अलावा जैकेब बैथेल ने 26, जबकि कप्तान हैरी ब्रूक ने 41 रन टीम के खाते में जोड़े। विपक्षी खेमे से ब्र्योन फोर्टुइन को 2 विकेट हाथ लगे। विशाल लक्ष्य का पीछा करने उतरी साउथ अफ्रीकी टीम 16.1 ओवरों में महज 158 रन पर सिमट गई। साउथ अफ्रीका की ओर से कप्तान एडन मार्करम ने 20 गेंदों में 41 रन बनाए, जबकि ब्र्योन फोर्टुइन ने 32 रन टीम के खाते में जोड़े। इंग्लैंड की तरफ से जोफ्रा आर्चर ने सर्वाधिक 3 शिकार किए। सैम कर्न, लियाम डॉसन और विल जेक्स को 2-2 सफलताएं हाथ लगीं। इस मुकाबले को जीतकर इंग्लैंड ने तीन मुकाबलों की सीरीज में 1-1 से बराबारी कर ली है। अगला मैच नॉटिंघम में 14 सितंबर को खेला जाएगा।

भारत-पाकिस्तान के बीच मुकाबला नहीं खेला जाना चाहिए: केदार जाधव

पुणे। पीएम नरेंद्र मोदी 17 सितंबर को अपना 75वां जन्मदिन मनाएंगे। इस मौके पर लोगों को स्वास्थ्य और पर्यावरण के अनुकूल जीवनशैली को लेकर जागरूक करने के लिए पुणे में पुणे ऑन पेडल्स और पुणे वॉकथैथॉन का आयोजन हुआ, जिसमें पूर्व भारतीय क्रिकेटर केदार जाधव ने भी हिस्सा लिया। इस दौरान केदार जाधव ने 14 सितंबर को एशिया कप में खेले जाने वाले भारत-पाकिस्तान मैच को लेकर प्रतिक्रिया दी। केदार जाधव ने पत्रकारों से कहा, मैंने पहले ही कहा था, मेरे हिसाब से भारत-पाकिस्तान के बीच यह मुकाबला नहीं खेला जाना चाहिए, लेकिन रविवार को मैच होने जा रहा है। कुछ दिनों पहले आईएसएफएस से बाजीवीत में पूर्व भारतीय तेज गेंदबाज अशोक डिंडा ने कहा था कि भारत को पाकिस्तान के साथ कोई संबंध नहीं रखना चाहिए। उन्होंने कहा, बतौर खिलाड़ी मैं जरूर चाहूंगा कि भारत-पाकिस्तान आपस में खेलें, लेकिन सबसे पहले मैं एक भारतीय हूँ। पाकिस्तान बार-बार हमारे देश पर हमले कर रहा है। ऐसे में उसके साथ कोई संबंध नहीं रखना चाहिए, न ही खेल संबंध। पूर्व भारतीय स्पिनर हरभजन सिंह भी इस मुकाबले पर अपनी प्रतिक्रिया दे चुके हैं।

विश्व कप से पहले आस्ट्रेलिया श्रृंखला महत्वपूर्ण परीक्षा: भारतीय कोच

8नई दिल्ली। इंग्लैंड के खिलाफ श्रृंखला जीतने के बाद भारतीय महिला क्रिकेट टीम ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ आगामी तीन मैचों की एकदिवसीय श्रृंखला को विश्व कप से पहले एक बेहतरीन परीक्षा के रूप में देख रही है।

मीडिया से बात करते हुए, भारत के मुख्य कोच अमोल मजूमदार ने कहा कि घरेलू टीम 30 सितंबर से शुरू होने वाले इस बड़े टूर्नामेंट से पहले अपना आत्मविश्वास बढ़ाने के लिए सीरीज जीतना चाहेंगी।

मजूमदार ने कहा, यह हमारे लिए बेहद अहम सीरीज है और हम दुनिया की शीर्ष टीमों में से एक के खिलाफ खेलने के लिए उत्सुक हैं। हमें नतीजे की बेहतर स्थिति में रहने के लिए सामूहिक रूप से कड़ी मेहनत करनी होगी। खासकर, आगे एक बड़े टूर्नामेंट को देखते हुए। ऑस्ट्रेलिया इतने सालों से एक प्रभावशाली टीम रही है, लेकिन हमारा ध्यान अपनी तैयारी और अपनी योजना को लागू करने के तरीके पर



हैं।

मजूमदार ने इंग्लैंड में टीम के प्रदर्शन की भी तारीफ की, जहाँ भारत ने वनडे सीरीज 2-1 से और टी20 सीरीज 3-2 से जीती। उन्होंने कहा, इंग्लैंड का हमारा दौरा शानदार रहा और हमें वो सकारात्मक नतीजे मिले जो हम चाहते थे। यह 40 दिनों का

शानदार दौरा था। हमने बहुत अच्छा तालमेल बिठया। यह एक बेहतरीन टीम प्रयास था। स्मृति (मंधाना) ने टेंट ब्रिज में शतक और हरमन (हरमनप्रीत कौर) ने डरहम में शतक लगाया।

ऑस्ट्रेलिया सीरीज का दूसरा मैच 17 सितंबर को खेला जाएगा,

जिसके बाद टीमों 20 सितंबर को होने वाले अंतिम मैच के लिए नई दिल्ली रवाना होंगी। उन्होंने कहा, अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट खेलने में हमेशा दबाव रहता है और खिलाड़ी अब इसके आदी हो चुके हैं। हमने कई घरेलू सीरीज खेली हैं और हम दर्शकों की उम्मीदों के आदी हो चुके हैं।

एशिया कप में यूई पर भारत की जीत पर कपिल देव ने कहा, मैंने कभी किसी को पांच ओवर में मैच खत्म करते नहीं देखा

नई दिल्ली, एजेंसी। पूर्व भारतीय कप्तान कपिल देव ने मंगलवार को दुर्बई में एशिया कप अभियान के उद्घाटन मैच के दौरान महज 58 रनों का पीछा करते हुए यूई को उसकी घरेलू धरती पर नौ विकेट से हराकर अपनी ताकत का प्रदर्शन किया, जिसके बाद भारतीय टीम ने अपने विचार व्यक्त किए। कुलदीप यादव (4/7) के चार विकेट और शिवम दुबे (3/7) की शानदार गेंदबाजी की बदौलत यूई की टीम 13.1 ओवर में सिर्फ 57 रन पर ढेर हो गई, जिसमें सिर्फ सलामी बल्लेबाज अलीशान शराफु (22) और कप्तान मोहम्मद वसीम (19) ही दहाई का आंकड़ा छू पाए। अभिषेक शर्मा और उप-कप्तान शुभमन गिल ने पहली ही गेंद से ताबड़तोड़ बल्लेबाजी की, जिससे भारत ने सिर्फ 4.3 ओवर में, यानी सिर्फ 27 गेंदों में, लक्ष्य हासिल कर लिया।

भारत और यूई के बीच एशिया कप 2025 के मैच पर बोलते हुए कपिल देव ने मीडिया से कहा, मैं भारतीय क्रिकेट टीम को शुभकामनाएं देना

चाहता हूँ। जिस तरह से उन्होंने खेला, मैंने पहले कभी किसी को पांच ओवर में मैच खत्म करते नहीं देखा।

58 रनों के लक्ष्य का पीछा करते हुए, अभिषेक शर्मा ने बिना समय गंवाए एक छक्का और एक चौका जड़कर शुरुआत की। हैदर अली की पहली गेंद, जो ऑफ स्टंप के बाहर डाली गई थी, पर पंजाबी बल्लेबाज ने वाइड लॉन्ग-ऑफ पर एक जोरदार शॉट खेला। अगली गेंद पर, उन्होंने एक्स्ट्रा कवर क्षेत्र के ऊपर से एक स्लेश शॉट खेला। अगली गेंद पर वह कैच-एंड-बॉल से बच गए, लेकिन आखिरी दो गेंदों पर उन्होंने कोई रन नहीं बनाया।

अगले ओवर में उपकप्तान शुभमन गिल ने कट शॉट पर चौका लगाकर और डीप स्कवायर लेग पर शानदार फ्लिक लगाकर लक्ष्य का लगभग 50 प्रतिशत हिस्सा बचा लिया। इस तरह ओवर की समाप्ति पर भारत का स्कोर 25 रन हो गया।

पंचकूला में ऑल इंडिया सब जूनियर रैंकिंग बैडमिंटन चैंपियनशिप की शुरुआत

पंचकूला, एजेंसी। हरियाणा बैडमिंटन एसोसिएशन की ओर से अश्विनी गुप्ता मेमोरियल ऑल इंडिया सब जूनियर रैंकिंग बैडमिंटन चैंपियनशिप का आयोजन किया जा रहा है। सेक्टर 3 ताऊ देवीलाल स्टेडियम के मल्टीपुर्पज हॉल में शनिवार को बैडमिंटन चैंपियनशिप का आगाज हुआ, जिसमें मुख्यमंत्री नाथ सिंह सैनी सब जूनियर रैंकिंग बैडमिंटन चैंपियनशिप के शुभारंभ कार्यक्रम में पहुंचे।

हरियाणा विधानसभा के पूर्व अध्यक्ष ज्ञानचंद गुप्ता की अध्यक्षता में इस बैडमिंटन चैंपियनशिप का आयोजन हो रहा है, जिसमें अंडर 15 और 17 आयु समूह के लड़के और लड़कियां हिस्सा ले रही हैं।

इस चैंपियनशिप में देश के अलग-अलग राज्यों से करीब 2,000 खिलाड़ी भाग लेने पहुंचे हैं। इस सेलेक्शन टूर्नामेंट में चुने गए खिलाड़ी चाइना में होने वाली बैडमिंटन चैंपियनशिप में खेलेंगे।

इस चैंपियनशिप के क्वालीफाईंग राउंड मुकाबले 13-17 सितंबर के बीच आयोजित होंगे। मुख्य ड्रा के मैच 18-21 सितंबर तक खेले जाएंगे। लड़कियों के क्वालीफाईंग मैच जैरिकपुर स्थित एएम बैडमिंटन एकेडमी में होंगे।

अश्विनी गुप्ता मेमोरियल ऑल इंडिया सब जूनियर रैंकिंग बैडमिंटन चैंपियनशिप से उभरते खिलाड़ियों को अपनी प्रतिभा दिखाने का मौका मिल सकेगा। इसके साथ ही उनकी रैंकिंग में



भी असर देखने को मिलेगा, जिससे आगे चलकर वह राष्ट्रीय टीम या बड़े टूर्नामेंट्स में चर्चाित हो सकें।

हरियाणा बैडमिंटन एसोसिएशन की इस पहल से खिलाड़ियों को कम उम्र में उच्च स्तरीय प्रतियस्धा का अनुभव मिलेगा। खिलाड़ियों के टैलेंट को सामने लाना और उन्हें भविष्य के लिए तैयार करना ही इस प्रतियोगिता का मकसद है। इसके साथ ही अश्विनी गुप्ता मेमोरियल ऑल इंडिया सब जूनियर रैंकिंग बैडमिंटन

टी20 मैच में 300 का आंकड़ा पार करते ही इंग्लैंड ने रचा इतिहास



नई दिल्ली, एजेंसी। इंग्लैंड और साउथ अफ्रीका के बीच शुक्रवार देर रात मैनचेस्टर में दूसरा टी20 मैच खेला गया, जिसमें इंग्लैंड ने दो विकेट खोकर 304 रन बनाए। इसके बाद इंग्लैंड ने 146 रन से शानदार जीत दर्ज की। टी20 क्रिकेट के इतिहास में ऐसा पहला मौका था, जब किसी फुल मैचर टीम के खिलाफ 300 रन का आंकड़ा पार हुआ।

साल 2024 में टीम इंडिया ने हैदराबाद में बांग्लादेश के विरुद्ध 6 विकेट खोकर 297 रन बनाए थे। उसी साल भारतीय टीम साउथ अफ्रीका के खिलाफ जोहान्सबर्ग में महज एक विकेट खोकर 283 रन बना चुकी थी।

अफगानिस्तान ने साल 2019 में आयरलैंड के विरुद्ध 278/3 का स्कोर खड़ा किया था। यह मैच देहरादून में खेला गया। वहीं, साल 2023 में इंग्लैंड ने वेस्टइंडीज के खिलाफ तीन विकेट खोकर 267 रन बनाए थे।

टी20 अंतरराष्ट्रीय मुकाबलों में सबसे बड़े स्कोर की बात करें, तो यह कारनामा जिम्बाब्वे के नाम है, जिसने साल 2024 में नैरोबी में चार विकेट खोकर 344 रन बनाए

महाराजा रणजीत सिंह ट्रॉफी: पीसीए रेड ने दर्ज की 5 विकेट से जीत



चंडीगढ़, एजेंसी। महाराजा रणजीत सिंह ट्रॉफी में पीसीए रेड ने लीग मुकाबले में जीत दर्ज की। उन्होंने पीसीए ग्रे टीम को 5 विकेट से हराया। पीसीए ग्रे के 188/7 रन के जवाब में पीसीए रेड ने 189/5 रन बनाए।

मोहाली में खेले गए लीग मैच में पीसीए ग्रे ने पहले बल्लेबाजी की और 20 ओवर में 7 विकेट गंवाकर 188 रन बनाए। ओपनर प्रभसिम्हर सिंह ने 34 गेंद पर 49 रन बनाए और रुषिल श्रीवास्तव ने 32 गेंद पर 47 रन का योगदान दिया। गौरव मरकन ने 38 और वैभव कालरा ने 24 रन टीम के लिए बनाए। अभिनव ने 3 विकेट झटके। गर्व और सुखविंदर ने 2-2 विकेट टीम रेड के लिए चटकाए।

जवाब में उतरी पीसीए रेड ने 20 ओवर में 5 विकेट गंवाकर 189/5 रन बनाए और मुकाबले में जीत दर्ज की। जसकरनवीर सिंह पॉल ने 46 गेंद पर 63 रन की पारी खेली। माधव सिंह ने 30 रन बनाए। कार्तिक शर्मा ने 26 और मयंक गुप्ता ने 30 रन बनाकर टीम रेड को लक्ष्य तक पहुंचाया। अंत में मयंक मार्कंडेय ने नाबाद 21 रन बनाए। विक्रान्त राणा ने 2 विकेट लिए। सुमित और आर्यामान को 1-1 सफलता मिली।

दूसरे मैच में पर्पल टीम को मिली जीत: दिन के दूसरे मैच में पीसीए पर्पल ने जीत दर्ज की और उन्होंने टीम ऑरेंज को 7 विकेट से शिकस्त दी। पीसीए ऑरेंज ने पहले खेलेते हुए 20 ओवर में 208/4 रन बनाए। युवी गोयल, हननूर पन्नू और सनवीर सिंह के 50-50 रन के बाद नेहल वट्टेरा ने नाबाद 41 रन जोड़े। जसन जिंदल ने 2 विकेट निकाले। रमनदीप और विश्वनाथ को 1-1 सफलता मिली। जवाब में उतरी पीसीए पर्पल ने 19 ओवर में 3 विकेट गंवाकर 209/3 रन बनाए। विश्वनाथ प्रताप ने 59 गेंद पर नाबाद 105 रन का योगदान दिया और रमनदीप ने 49 रन बनाए। आर्यन ने 2 विकेट निकाले और उनका साथ देते हुए ईमानजोत ने 1 बल्लेबाज को चलता किया।

दौसा जिला क्रिकेट: अंडर - 16 की ट्रायल 14 सितंबर को

दौसा, एजेंसी। जिला क्रिकेट संघ द्वारा अंडर 16-टीम चयन के लिए 14 सितंबर को राजेश पायल राजकीय स्टेडियम में ट्रायल आयोजित की जायेगी। जिला क्रिकेट संघ के सचिव बृज किशोर उपाध्याय ने बताया कि आरसीए द्वारा आयोजित अंडर - 16 प्रतियोगिता आयोजित की जाएगी।

जिले की टीम का चयन ट्रायल दिनांक 14 सितंबर को राजेश पायल राजकीय स्टेडियम पर सुबह 8:00 बजे ली जाएगी। ट्रायल के लिए आने वाले खिलाड़ियों को अपने मूल दस्तावेज जन्म प्रमाण पत्र डिजिटल, बोनाफाइड प्रमाण पत्र डिजिटल, अपना और अपने माता-पिता के आधार कार्ड और पिछले तीन वर्ष की मार्कशीट ऑरिजिनल लाना अनिवार्य है। इस चयन ट्रायल में आने वाले खिलाड़ियों की जन्मतिथि 1.9.2009 के बाद की होना आवश्यक है।

सचिव बृज किशोर उपाध्याय ने बताया गया कि ट्रायल में हिस्सा लेने वाले खिलाड़ियों के मैच कराए जाएंगे और उन मैचों के परफॉर्मंस के आधार पर टीम का चयन किया जाएगा।दौसा में ग्राउंड नहीं होने की वजह से जयपुर में ट्रायल मैच करवाए जाएंगे।

जयपुर को अपने घर में पहले ही मैच में मिली शिकस्त

जयपुर, एजेंसी। बेंगलुरु बुल्स ने अपने डिफेंस के शानदार प्रदर्शन के दम पर सर्वाई मारनसिंह इंडोर स्टेडियम में शुक्रवार को खेले गए प्रो कबड्डी लीग के 12वें सीजन के 29वें मैच में मेजबान जयपुर पिंग पैंथर्स को 27-22 के अंतर से हरा दिया। यह बुल्स की लगातार तीसरी जीत है जबकि जयपुर को घर में खेले गए पहले ही मैच में हार मिली। वैसे जयपुर को पांच मैचों में तीसरी हार मिली है।

छह मैच में बुल्स को तीसरी जीत दिलाने में बुल्क के डिफेंस (13) का अहम योगदान रहा, जिसका नेतृत्व दीपक संकर (5) ने किया। इसके अलावा संजय (3) और सल्यणा ने चार अंक लिए। रेड में अलौरंजा मीराजहान ने 8 अंक लिए। जयपुर के लिए नितिन ने 8 अंक लिए जबकि अली समाधी ने चार अंक लिए लेकिन जयपुर के डिफेंस ने निराश किया। वह पूरे मैच में सिर्फ सात अंक ले सकी। बुल्स इस जीत के साथ पांचवें स्थान पर आ गए हैं।



घर में अपने पहले ही मैच में जयपुर 0-2 से पीछे चल रहे थे लेकिन समाधी और फिर डिफेंस ने उसे बराबरी पर ला दिया। इस

बीच नितिन ने अपनी तीसरी रेड पर दीपक को आउट कर जयपुर को लीड दिला दी। आशीष ने हालांकि समाधी को किक कर स्कोर बराबर कर दिया। फिर बुल्स के डिफेंस ने नितिन को लपक लीड ले ली। अलौरंजा की रेड पर दोनों टीमों को एक-एक अंक मिला और फिर समाधी ने सल्यणा को आउट कर शुरुआती लीड दिया। स्कोर 5-5 से बराबर कर दिया।

ब्रेक के बाद जयपुर ने लगातार दो अंक ले बुल्स को सुपर टैकल की स्थिति में ला दिया। बुल्स को इस स्थिति का लाभ मिला और उसने लगातार दो सुपर टैकल के साथ न सिर्फ 9-8 की लीड ले ली बल्कि आलआउट भी टाल दिया। फिर अलौरंजा और संजय ने बुल्स को 11-8 की लीड दिला दी। जयपुर के लिए सुपर टैकल आन था। दीपक संकर हाई-5 पूरा कर चुके थे। इसी बीच बुल्स ने जयपुर

को आलआउट कर हाफटाइम तक 16-9 की लीड ले ली।

हाफटाइम के बाद नितिन ने दो अंक के साथ जयपुर की वापसी सुनिश्चित की लेकिन बुल्स ने लगातार दो अंक के साथ इस प्रयास को नाकाम कर दिया। फिर बुल्स के डिफेंस ने नितिन का शिकार कर लिया। इसके बाद रेजना ने डू और डाई रेड पर गणेश का शिकार कर फासला 7 का किया लेकिन बुल्स के डिफेंस ने मौतू को लपक हिसाब बराबर किया। 30 मिनट की समाप्ति तक बुल्स ने 21-15 की लीड बना रखी थी।

बुल्स के डिफेंस ने नितिन को कई बार आउट किया लेकिन उनकी टीम रिवाइव नहीं करा सकी। 34 मिनट के खेल में वह 18 मिनट मैट से बाहर रहे। उनकी गैरमोजूदगी में अंकों का फासला 6-7 के बीच बना रहा। इस बीच साहिल ने संजय को आउट कर दिया था। अब बुल्स 26-18 से आगे थे। इसके बाद जयपुर ने वापसी की भरपूर कोशिश की लेकिन लंबे समय तक नितिन की गैरमोजूदगी में यह प्रयास सफल नहीं हो सका।

पहली बार मुकुंदपुर के परिसीमन पर बोले रीवा सांसद, रीवा में शामिल होना चाहते हैं लोग

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। सांसद जनार्दन मिश्रा ने पहली बार मुकुंदपुर और आसपास के गांवों के रीवा में परिसीमन को लेकर अपनी राय रखी है। सांसद का कहना है कि मुकुंदपुर रीवा से बेहद नजदीक है और वहां के लोग पढ़ाई, इलाज, बाजार सहित सभी जरूरी कामों के लिए रीवा आते हैं। इसलिए स्थानीय लोग मुकुंदपुर को रीवा जिला में शामिल करने की मांग कर रहे हैं।

मुकुंदपुर समेत छह गांवों (आनंदगढ़, आमिन, धोबहट, परसिया और पपरा सहित) को रीवा जिले में शामिल करने का प्रस्ताव सामने आने के बाद सतना सांसद, मैहर और अमरपाटन के विधायकों, पूर्व विधायक नारायण त्रिपाठी समेत कई नेताओं ने विरोध जताया।

सतना सांसद ने इसे क्षेत्र की

सतना सांसद ने जताया था विरोध



अखंडता से जोड़ते हुए मुख्यमंत्री को पत्र लिखा और इसे साजिश बताया।

मैहर पूर्व विधायक ने पुनर्गठन आयोग की प्रक्रिया और रीवा के जनप्रतिनिधि पर आरोप लगाए।

मुकुंदपुर के लोगों ने रीवा में

शामिल होने की इच्छा जताई: रीवा सांसद जनार्दन मिश्रा ने कहा- मुकुंदपुर की भौगोलिक स्थिति रीवा से जुड़ी है। वहां के स्थानीय लोग लगातार कह रहे हैं कि हमें रीवा में शामिल किया जाए, जिससे क्षेत्र का विकास संभव हो। मुकुंदपुर के लोगों की जीवनचर्या रीवा से ही जुड़ी है। सांसद ने विरोध को पूरी तरह गलत बताया और पुनर्गठन आयोग की प्रक्रिया बताया।

परिसीमन आयोग के सामने राय मांगी गई: सरकारी आयोग ने मैहर कलेक्टर और रीवा कलेक्टर से रिपोर्ट मांगी है। मुकुंदपुर ग्रामसभा ने रीवा में शामिल न किए जाने का प्रथम दृष्टया प्रस्ताव पहले ही पास किया था, जबकि कुछ नागरिक रीवा में शामिल होना चाहते हैं। व्हाइट टाइगर सफारी के मामले में भी इन छह पंचायतों को रीवा में शामिल करने की मांग उठी।

नगर निगम स्पीकर ने किया पुलिस लाइन का दौरा दिए आवश्यक निर्देश

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। नगर निगम स्पीकर



व्यंकटेश पाण्डेय ने पुलिस लाइन चौराहा का दौरा किया, जहां उन्होंने पूर्व विधानसभा अध्यक्ष श्रीनिवास श्रौनिवास के निर्माणाधीन प्रतिमा स्थल पर चल रहे कार्यों की जानकारी ली। इस दौरान, उन्होंने निर्माण कार्य की प्रगति का निरीक्षण करते हुए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। स्पीकर पाण्डेय ने कहा कि यह प्रतिमा क्षेत्र के लिए एक महत्वपूर्ण प्रतीक है और इसे समय पर पूरा किया जाना चाहिए।

उन्होंने निर्माण कार्य में लगे श्रमिकों से भी बातचीत की और उन्हें प्रोत्साहित किया। पाण्डेय ने कहा कि इस प्रकार के कार्यों से न केवल स्थानीय लोगों को प्रेरणा मिलेगी, बल्कि यह क्षेत्र

की सांस्कृतिक धरोहर को भी दर्शाएगा।

स्पीकर ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि वे निर्माण कार्य की गुणवत्ता पर ध्यान दें और सुनिश्चित करें कि सभी मानकों का पालन किया जाए। उन्होंने कहा कि प्रतिमा का निर्माण जल्द से जल्द पूरा किया जाना चाहिए, ताकि इसे जनता के समक्ष प्रस्तुत किया जा सके। इस दौरान, नगर निगम स्पीकर ने स्थानीय निवासियों से भी बातचीत की और उनकी राय जानी। उन्होंने कहा कि जनता की अपेक्षाओं को पूरा करना उनकी प्राथमिकता है।

नाबालिग से दुष्कर्म करने वाला गिरफ्तार बुआ और उसके प्रेमी सहित चार आरोपियों को कोर्ट ने जेल भेजा; राजस्थान लेकर गए थे

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। चोरहटा थाना क्षेत्र में नाबालिग के अपहरण और दुष्कर्म की वारदात का पुलिस ने खुलासा कर दिया है। आरोपी पीड़िता की सगी बुआ का प्रेमी निकला, जिसके साथियों ने भी नाबालिग को अपना शिकार बनाया। (पुलिस ने पीड़िता को राजस्थान से बरामद कर चार आरोपियों को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। थाना प्रभारी आशीष मिश्रा ने बताया कि परिजनों ने चोरहटा थाने में नाबालिग के अपहरण की रिपोर्ट दर्ज कराई थी। इस पर अपराध क्रमांक 460/25 धारा 137 (2) बीएनएस के तहत केस दर्ज हुआ। वरिष्ठ अधिकारियों के निर्देश पर गति टीम ने साइबर सेल की मदद से नाबालिग को झुंझुनू (राजस्थान) से बरामद किया।

घटना की टाइमलाइन: 4



सितम्बर को पीड़िता थाने पहुंची, 10 सितंबर पुलिस टीम ने आरोपियों को गिरफ्तार किया, 2 दिन के लिए पुलिस रिमांड में लिया, 12 सितम्बर की शाम आरोपियों को न्यायालय में पेश किया गया, 12 सितम्बर की रात जेल भेजा गया।

बुआ और प्रेमी ने साथियों संग किया अपहरण: पुलिस पृच्छाछ में नाबालिग ने बताया कि उसकी बुआ दिव्या रघुवंशी (परिवर्तित नाम) अपने प्रेमी

दावत अली के साथ उसे दीपक कुमार और अंशु कुमार की मदद से राजस्थान ले गई थी। वहां अंशु कुमार ने उसके साथ दुष्कर्म किया।

चारों आरोपी गिरफ्तार, जेल भेजे: पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए बुआ, दावत अली (21), दीपक कुमार (22) और अंशु कुमार (19) को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया। कोर्ट के आदेश पर चारों आरोपियों को केन्द्रीय जेल रीवा भेजा गया है।

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। जिले के

ग्राम धवैया स्थिनी निवासी पूजा तिवारी ने अपनी मेहनत और लगन से क्षेत्र का नाम रोशन किया है। मध्यप्रदेश लोक सेवा आयोग (एमपीपीएससी) द्वारा आयोजित 2024 की परीक्षा के परिणाम में उनका चयन उप पुलिस अधीक्षक (डीएसपी) पद पर हुआ है। इस सफलता की खबर मिलते ही न सिर्फ गांव बल्कि पूरे क्षेत्र में खुशी की लहर दौड़ गई। लोग लगातार बधाई संदेश दे रहे हैं। पूजा तिवारी वर्तमान में इंदौर में अधीनस्थ लेखा सेवा में पदस्थ हैं, जहां वे 2019 में एमपीपीएससी से चयनित हुई थीं।

परिवार का संघर्ष बना प्रेरणा: पूजा तिवारी एक साधारण परिवार से हैं। उनके पिता रवीन्द्र तिवारी ने बच्चों की

रीवा की पूजा तिवारी का एमपीपीएससी 2024 में डीएसपी पद पर चयन

साधारण परिवार से निकल कर बनाई नई पहचान, गांव-क्षेत्र में खुशी की लहर

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। जिले के ग्राम धवैया स्थिनी निवासी पूजा तिवारी ने अपनी मेहनत और लगन से क्षेत्र का नाम रोशन किया है। मध्यप्रदेश लोक सेवा आयोग (एमपीपीएससी) द्वारा आयोजित 2024 की परीक्षा के परिणाम में उनका चयन उप पुलिस अधीक्षक (डीएसपी) पद पर हुआ है। इस सफलता की खबर मिलते ही न सिर्फ गांव बल्कि पूरे क्षेत्र में खुशी की लहर दौड़ गई। लोग लगातार बधाई संदेश दे रहे हैं। पूजा तिवारी वर्तमान में इंदौर में अधीनस्थ लेखा सेवा में पदस्थ हैं, जहां वे 2019 में एमपीपीएससी से चयनित हुई थीं।

परिवार का संघर्ष बना प्रेरणा: पूजा तिवारी एक साधारण परिवार से हैं। उनके पिता रवीन्द्र तिवारी ने बच्चों की



पढ़ाई को प्राथमिकता देते हुए कठिन परिश्रम और कर्ज लेकर भी शिक्षा में कोई कमी नहीं आने दी। पूजा अपने भाई-बहनों में सबसे बड़ी हैं। बड़े भाई निजी कंपनी में कार्यरत हैं, जबकि छोटे भाई-बहन भी इंदौर में रहकर प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रहे हैं। उनकी सफलता से प्रेरित होकर वे भी तैयारी में जुटे हैं और पूजा निरंतर उनका मार्गदर्शन करती रहती हैं।

ससुराल पक्ष भी गौरवान्वित: पूजा तिवारी का

विवाह त्योंथर के कोनिया कला निवासी बद्री प्रसाद द्विवेदी के सुपुत्र से हुआ है। इस उपलब्धि पर ससुराल पक्ष सहित पूरा परिवार गौरवान्वित महसूस कर रहा है।

क्षेत्र में बधाइयों का तांता: पूजा की इस सफलता पर उनके बाबा बाल्मीकि तिवारी, चाचा पं. नागेन्द्र तिवारी सहित पूरे परिवार और ग्रामवासियों ने बधाई दी। वहीं क्षेत्र के प्रमुख नागरिकों में शिवानंद शर्मा (पूर्व उद्यानिकी अधिकारी), संधिनी सरपंच राजेश गौतम, पूर्व प्राचार्य रामनरेश मिश्र, अधिवक्ता संघ मंगवांव अध्यक्ष बालेन्द्र तिवारी, एड. हर्ष नारायण गौतम, मीडिया प्रभारी बीरेंद्र गौतम, नीलाम्बर प्रसाद मिश्र, जयराम गौतम समेत कई गणमान्य लोगों ने शुभकामनाएं दीं और इसे क्षेत्र की ऐतिहासिक उपलब्धि बताया।

चार महीने से फरार हत्या का आरोपी पकड़ाया, एसपी ने घोषित किया था इनाम



मीडिया ऑडीटर, मऊगंज (निप्र)। जिले की लौर पुलिस ने हत्या के एक इनामी आरोपी को रीवा से गिरफ्तार किया है। 28 साल का प्रवीण तिवारी ग्राम सेमरिया वृन्दावन, थाना लौर का रहने वाला है। आरोपी प्रवीण तिवारी पिछले चार महीने से फरार चल रहा था। 21 मई 2025 को ग्राम खुझवा सुअरहा निवासी मनोज पटेल की हत्या का मामला सामने आया था। विवाद के दौरान आरोपियों ने मनोज पर हमला उनकी मृत्यु हो गई। इस मामले में तीन आरोपी पहले

ही जेल भेजे जा चुके थे। **आरोपी पर 10 हजार का इनाम घोषित था:** चौथा आरोपी प्रवीण तिवारी घटना के बाद से फरार था। एसपी ने इसकी गिरफ्तारी पर 10,000 का इनाम घोषित किया था। 12 सितंबर को पुलिस ने आरोपी को रायपुर कर्चुलियान, रीवा से गिरफ्तार किया। पृच्छाछ में आरोपी ने अपना जुर्म कबूल किया। उसके बताए स्थान से हत्या में प्रयुक्त बेसबॉल का डंडा बरामद किया गया। आरोपी को न्यायालय में पेश कर न्यायिक अभिरक्षा में भेज दिया गया है।

मऊगंज के बेलौही जलप्रपात में मिला शव, पुलिस ने ग्रामीणों की मदद से निकाला; पहचान की कोशिश जारी



मीडिया ऑडीटर, मऊगंज (निप्र)। जिले के शाहपुर थाना क्षेत्र के बेलौही जलप्रपात में शुक्रवार दोपहर एक अज्ञात शव मिला। ग्रामीणों ने जलभरा में तैरते शव को देखा और पुलिस को सूचना दी। थाना प्रभारी अजय खोबरागढ़े पुलिस टीम के साथ मौके पर पहुंचे। जलप्रपात की दुर्गम पहाड़ियों और फिसलन भरी चट्टानों के कारण शुक्रवार को रेस्क्यू संभव नहीं हो सका। शनिवार सुबह पुलिस ने ग्रामीणों की मदद से शव को बाहर

निकाला। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए सिविल अस्पताल मऊगंज भेज दिया है। थाना प्रभारी के अनुसार, शव काफी पुराना और क्षतिग्रस्त है। मृत्यु का कारण पोस्टमार्टम रिपोर्ट से स्पष्ट होगा। मृतक की पहचान अभी तक नहीं हो पाई है। पुलिस ने आसपास के सभी थानों को गुमशुदगी की सूचना भेजी है। शव की शिनाख्त के लिए प्रयास किए जा रहे हैं। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

स्वस्थ नारी, सशक्त परिवार अभियान के लिए दिया गया प्रशिक्षण

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। भारत सरकार के स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय द्वारा आगामी 17 सितम्बर से 2 अक्टूबर तक स्वस्थ नारी, सशक्त परिवार अभियान का आयोजन किया जाएगा। स्वस्थ नारी, सशक्त परिवार अभियान के सफल संचालन के लिए शहरी स्वास्थ्य कार्यक्रम अंतर्गत कार्यरत सभी मेडिकल ऑफिसर, एएनएम तथा आशा कार्यकर्ताओं को प्रशिक्षण दिया गया। प्रशिक्षण सह कार्यशाला का आयोजन मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ संजीव शुक्ला के मार्गदर्शन में प्रदान किया गया। कार्यशाला में चुनौतियों की पहचान कर उन्हें समय पर स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराना है।

मंदिर तक बेहतर स्वास्थ्य प्रदायगी के लिए आवश्यक जानकारी एवं दिशा-निर्देश दिए गए। कार्यशाला में जिला स्वास्थ्य अधिकारी डॉ केवी गौतम, सौरभ पाण्डेय पब्लिक हेल्थ मैनेजर एवं समस्त अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे। उल्लेखनीय है कि अभियान महिला एवं बाल विकास द्वारा पोषण माह की गतिविधियों के अभिभरण और समन्वय से आयोजित किया जाएगा। अभियान का राष्ट्रीय स्तर पर शुभारंभ प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी मध्यप्रदेश से 17 सितंबर को करेंगे। अभियान का उद्देश्य महिलाओं में स्वास्थ्य एवं पोषण से जुड़ी चुनौतियों की पहचान कर उन्हें समय पर स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराना है।

दिव्यांगता की पहचान के लिए लगेंगे स्क्रीनिंग शिविर

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। दिव्यांगता की त्वरित पहचान के लिए जिला स्तरीय स्क्रीनिक शिविर लगाए जाएंगे। शिविरों में जन्म से 18 वर्ष की आयु के बच्चों की स्क्रीनिंग की जाएगी। इस संबंध में प्रभारी कलेक्टर डॉ सौरभ सोनवणे ने बताया कि शिविरों का आयोजन 15 सितंबर से होगा तथा दो माह की समय सीमा में सभी संभावित दिव्यांग बच्चों की स्क्रीनिंग सुनिश्चित की जाएगी। शिविरों का आयोजन के लिए महिला एवं बाल विकास विभाग, स्कूल शिक्षा, जनजातीय कार्य, सामाजिक न्याय, पंचायत एवं ग्रामीण विकास, आयुष तथा लोक स्वास्थ्य एवं चिकित्सा विभाग के समन्वय से किया जाएगा।

शिविर में जिला मेडिकल बोर्ड के विशेषज्ञ चिकित्सकों द्वारा दिव्यांग बच्चों का परीक्षण कर प्रमाण पत्र प्रदान किया जाएगा। स्क्रीनिंग शिविर के आयोजन में विभागों से समन्वय के लिए मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत को ग्रामीण क्षेत्र का नोडल अधिकारी तथा आयुक्त

नगर निगम को शहरी क्षेत्र का नोडल अधिकारी बनाया गया है।

शिविर में चिन्होंकित बच्चों को दिव्यांगता प्रमाण पत्र एवं यूडीआई नम्बर प्रदान कर दिए जाएंगे ताकि 30 नवम्बर तक उन्हें शासन की पेंशन व अन्य योजना का लाभ दिलाया जा सके। दिव्यांगता चिन्हांकन शिविर नगर पालिक निगम रीवा में जिला दिव्यांग पुनर्वास केन्द्र में 15 सितम्बर को आयोजित किया जाएगा।

जबकि नगर परिषद गोविंदगढ़ में 16 सितम्बर को, गुढ़ में 17 सितम्बर को, सेमरिया में 18 सितम्बर को, बैकुंठपुर में 19 सितम्बर को तथा नगर परिषद सिरमौर में 22 सितम्बर को शिविर आयोजित होगा। इसी प्रकार 23 सितम्बर को नगर परिषद डभौरा, 24 सितम्बर को मंगवांव, 25 सितम्बर को त्योंथर, 26 सितम्बर को चाकघाट, 3 अक्टूबर को हनुमना, 8 अक्टूबर को नईगढ़ी तथा नगर परिषद मऊगंज में 9 अक्टूबर को दिव्यांगता चिन्हांकन शिविर संबंधित नगर परिषद कार्यालयों में आयोजित होंगे।